दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

मंगलवार 04 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रात: 06:35 बजे
सूर्यास्त सांय 17:34 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 नीतीश को राजनीति से बाहर करने में समय लगेगा

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 17 | अंक : 018 | गाजियाबाद, मंगलवार 04 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

उत्तराखंड देवभूमि से अध्यात्म और शौर्य की परंपराएं प्रवाहित होती हैं : राष्ट्रपति

✷ वेबवार्ता. देहारादून ✷

देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि उत्तराखंड की देव-भूमि से अध्यात्म और शौर्य की परम्पराएं प्रवाहित होती रही हैं। भारत का यह पवित्र भूखंड अनेक ऋषि-मुनियों की तपस्थली रहा है। कुमाऊं रेजिमेंट तथा गढ़वाल रेजिमेंट के नाम से ही यहां की शौर्य परंपरा का परिचय मिलता है।

उत्तराखंड राज्य गठन के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यहां के युवाओं में भारतीय सेना में सेवा करके मातृ-भूमि की रक्षा करने के प्रति उत्साह दिखाई देता है।

उत्तराखंड की यह शौर्य परंपरा सभी देशवासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतान्त्रिक परंपरा को शक्ति प्रदान करने में उत्तराखंड के अनेक जन-सेवकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

श्रीमती मुर्मू ने अपने अभिभाषण में कहा कि उत्तराखंड राज्य की स्थापना की रजत जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर, लोकतन्त्र के इस मंदिर में, विधान सभा के विशेष सत्र में आप सबके बीच आकर बहुत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने इस अवसर पर राज्य विधान सभा के पूर्व और वर्तमान सदस्यों तथा राज्य के सभी निवासियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान, यहां के जनमानस की आकांक्षा के अनुरूप, बेहतर प्रशासन और संतुलित विकास की दृष्टि से, वर्ष 2000 के नवंबर महीने में इस राज्य की स्थापना की गई।

राष्ट्रपति ने कहा, 'यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि विगत पच्चीस वर्षों की यात्रा के दौरान उत्तराखंड के लोगों ने विकास के प्रभावशाली लक्ष्य हासिल किए हैं। पर्यावरण, ऊर्जा, पर्यटन, स्वास्थ्य-सेवा और शिक्षा के क्षेत्रों में राज्य ने सराहनीय प्रगति की है।' उन्होंने कहा, 'डिजिटल और फिजिकल कनेक्टविटी तथा इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के क्षेत्रों में भी विकास हुआ है। विकास के समग्र प्रयासों के बल पर राज्य में ह्यूमन डेवलपमेंट इंडिसेज के कई मानकों पर सुधार हुआ है।'

श्रीमती मुर्मू ने कहा, 'मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि राज्य में साक्षरता बढ़ी है, महिलाओं की शिक्षा में विस्तार हुआ है। मातृ एवं शिशु-मृत्यु-दर में कमी आई है तथा स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'महिला सशक्तीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की मैं विशेष सराहना करती हूं।' उन्होंने कहा, 'महिला सशक्तीकरण के प्रयासों से सुशीला बलूनी, बछेन्द्री पाल, गौरा देवी, राधा भट्ट और वंदना कटारिया जैसी असाधारण महिलाओं की गौरवशाली परंपरा आगे बढ़ेगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि श्रीमती ऋतु खंडूरी भूषण को राज्य की पहली महिला विधान सभा अध्यक्ष नियुक्त करके उत्तराखंड विधान सभा ने अपना गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा, 'मैं चाहूंगी कि सभी हितधारकों के सक्रिय प्रयास से उत्तराखंड विधान सभा में महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी हो।'

कोर्ट वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की समय सीमा बढ़ाने संबंधी याचिका पर सुनवाई को तैयार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उच्चतम ने ऑल इंडिया मजलिस -ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता असदुद्दीन ओवैसी की याचिका को सुनवाई के लिए फिर से सूचीबद्ध करने पर सोमवार को सहमति जताई, जिसमें 'वक्फ बाय यूजर' समेत सभी वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकृत करने की समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। याचिका को पहले 28 अक्टूबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन उस दिन सुनवाई नहीं हो सकी। सोमवार को ओवैसी के वकील निजाम पाशा ने प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष मामले को तुरंत सुनवाई के लिए रखने का अनुरोध किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, "हम एक नई तारीख तय करेंगे।"

अमेरिका के साथ व्यापार सौदा अब सिरदर्द बन गया है : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता संबंधी दावा एक बार फिर से किए जाने के बाद सोमवार को सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार सौदा अब तक नहीं हो सका और यह अब सिरदर्द बन गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि ट्रंप ने यह दावा 57 बार किया है। रमेश ने एक अमेरिकी चैनल के साथ ट्रंप के साक्षात्कार से संबंधित एक वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'एक समय था जब हमें बताया गया था कि भारत नवंबर, 2025 में क्वाड शिखर सम्मेलन (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत) की मेजबानी करेगा। अब ऐसा नहीं हो रहा है।'

वोट चोरी जनता के खिलाफ बहुत बड़ी साजिश : प्रियंका

✷ वेबवार्ता. सहरसा ✷। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिहार में 65 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे जाने को बहुत बड़ी साजिश बताते हुए सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार लोगों के अधिकार छीन रही है। श्रीमती वाड्रा ने सहरसा जिले के सोनबरसा में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वोट कटने का मतलब सिर्फ मतदान से वंचित होना नहीं है, बल्कि यह नागरिकता रद्द होने के समान है, जिससे लोग पेंशन, मनरेगा जैसी सरकारी योजनाओं से भी वंचित हो जाएंगे। उन्होंने जनता दल यूनाईटेड (जदयू)-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर हमला करते हुये कहा कि बिहार में शिक्षा व्यवस्था ठप हो गई है, स्वास्थ्य सेवाएं चरमराई हुई हैं, पेपर लीक हो रहे हैं, भ्रष्टाचार और महंगाई चरम पर है। जनता बेरोजगारी और पलायन का दंश झेल रही है। युवाओं को बिहार में रोजगार नहीं मिल रहा, इसलिए वे काम की तलाश में राज्य से बाहर जाने को मजबूर हैं। आज खेती से भी कमाई नहीं हो रही है, मेहनत के बावजूद किसानों को फसल का सही दाम नहीं मिलता।

तेलंगाना : सरकारी बस और ट्रक की टक्कर, 18 की मौत, 15 घायल

✷ वेबवार्ता. हैदराबाद ✷। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में हैदराबाद-बीजापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार सुबह एक सरकारी बस और बजरी से लदे ट्रक की जोरदार टक्कर के बाद 18 लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। पुलिस ने बताया कि चेवेल्ला मंडल में मिर्ज़गुडा के पास तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस और बजरी से लदे एक ट्रक आमने सामने टकरा गए। यह बस लगभग 70 यात्रियों को लेकर बस तंदुर इलाके से हैदराबाद जा रही थी। ट्रक पर लदी बजरी के बस पर गिरने से आगे की छह सीटें पर बैठी सवारियां पूरी तरह से कुचल गईं।

कम उपस्थिति के कारण विधि पाठ्यक्रम के किसी छात्र को परीक्षा देने से न रोका जाए: हाई कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को व्यवस्था दी कि देश में विधि पाठ्यक्रम के किसी भी छात्र को न्यूनतम उपस्थिति न होने के कारण परीक्षा देने से नहीं रोका जा सकता।

उच्च न्यायालय ने विधि महाविद्यालयों में अनिवार्य उपस्थिति की आवश्यकता से संबंधित कई निर्देश जारी करते हुए बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को उपस्थिति मानकों में बदलाव करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि कम उपस्थिति के कारण छात्र को परीक्षा देने से वंचित नहीं किया जा सकता।

जज प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति शर्मा की पीठ ने यह आदेश स्वतः संज्ञान याचिका का निपटारा करते हुए दिया। 2016 में विधि के छात्र सुषांत रोहिल्ला की आत्महत्या के मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह याचिका शुरू की थी। रोहिल्ला ने कथित तौर पर आवश्यक उपस्थिति न होने के कारण सेमेस्टर परीक्षा देने से रोके जाने के बाद अपने घर में आत्महत्या कर ली थी।

पीठ ने कहा, "सभी पक्षों की दलीलों और सामने आई वाश्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए अदालत का मानना है कि सामान्य शिक्षा और विशेष रूप से विधि शिक्षा में ऐसे कठोर नियम नहीं होने चाहिए, जिनसे छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो।" सुशांत रोहिल्ला एमिटी विश्वविद्यालय में विधि पाठ्यक्रम के तीसरे वर्ष के छात्र थे।

उन्होंने 10 अगश्त 2016 को आत्महत्या की थी। बताया जाता है कि उन्हें कथित तौर पर आवश्यक उपस्थिति न होने के कारण सेमेस्टर परीक्षा देने से रोक दिया गया था।

नीतीश को डुबाने की चाल चल रहे हैं प्रधानमंत्री, अपने किसी 'चेले' को मुख्यमंत्री बना देंगे: खरगे

✷ वेबवार्ता. पटना/वैशाली ✷

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को डुबाने की चाल रहे हैं और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की फिर से सरकार बनने पर वह अपने किसी 'चेले' को मुख्यमंत्री बना देंगे तथा नीतीश को घर बैठा देंगे।

उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में यह कटाक्ष भी किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नीतीश को इस तरह ''गायब'' कर दिया है कि अब उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का नाम ही नहीं लिया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने पटना में रविवार को हुए प्रधानमंत्री के रोडशो का उल्लेख करते हुए कहा, ''नीतीश जी कहां थे, नहीं दिखे। राजग सरकार बनाने की बात करने वालों ने उन्हें गायब कर दिया। इतना गायब कर दिए, उनको मुख्यमंत्री बनाने का नाम नहीं लेते।''

खरगे ने आरोप लगाया, ''चुनाव के बाद क्या होगा, मैं नहीं कह सकता। मोदी जी नीतीश जी को डुबाने की चाल चल रहे हैं।'' उन्होंने बाद में एक बयान में कहा कि नीतीश कुमार को 'हाईजैक' कर लिया गया है और चुनाव के बाद उन्हें दूध से मक्खी की तरह बाहर निकाल दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री के रोडशो में जनता दल (यू) की तरफ से पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह शामिल हुए थे।

इससे पहले, खरगे ने वैशाली में एक जनसभा में कहा, ''अब ये (नीतीश) मोदी की गोद में बैठे हैं। यह लिखकर रख लो वह (प्रधानमंत्री) नीतीश को मुख्यमंत्री नहीं बनाएंगे। वह अपने किसी चेले को बना देंगे और कहेंगे कि नीतीश जी, आपकी तबियत ठीक नहीं है, आप घर बैठकर आराम करिए, हम आपकी औषधि का इंतजाम करते हैं।''

राजद द्वारा कांग्रेस की कनपटी पर 'कट्टा रखकर' मुख्यमंत्री पद छीनने संबंधी प्रधानमंत्री के आरोपों पर खरगे ने संवाददाता सम्मेलन में तंज कसा, ''क्या जब राजद ने कांग्रेस की कनपट्टी पर कट्टा रखा, तो नरेन्द्र मोदी वहां मौजूद थे?''

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री कैसी भाषा का इश्तेमाल कर रहे हैं। न कांग्रेस को कोई डरा सकता है न कांग्रेस किसी से डरने वाली है।

राजद-कांग्रेस सरकार की गलतियों से कोशी के लोग एक दशक तक उपेक्षित रहे: नरेंद्र मोदी

✷ वेबवार्ता. सहरसा ✷

बिहार में अपने चुनाव अभियान के दौरान सोमवार को सहरसा में प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस सरकार की गलतियों से कोशी क्षेत्र के लोग एक दशक तक उपेक्षित रहे।

श्री मोदी ने कहा कि कोशी क्षेत्र के जिलों सहरसा, पूर्णिया, सुपौल, अररिया और मधेपुरा की उपेक्षा पर सबसे पहली नजर अटल बिहारी वाजपेयी की केंद्र सरकार की पड़ी थी। इसके बाद उनकी सरकार ने 2003 कोशी पुल का शिलान्यास किया जो इस क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था। उन्होंने कहा कि 2005 में बिहार ने राजद की सरकार सत्ता से बाहर हो गयी और नीतीश कुमार की सुशासन वाली सरकार ने प्रदेश मे कमान सम्हाला। उंस समय 2004 में केंद्र की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार जा चुकी थी और कांग्रेस पार्टी के नेता नए प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह राजद की बैशाखी ले कर सरकार चला रहे थे। उन्होंने कहा कि 2005 में बिहार की सत्ता से बाहर होने के बाद आगबाबूली राजद की सरकार ने केंद्र की सरकार पर दबाव डाला कि वह बिहार में विकास की गति को अवरुद्ध कर दे और इसी वजह से कोशी नदी के ऊपर बन रहे विशाल पुल का निर्माण भी ठप हो गया उन्होंने कहा कि 2014 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार बनने के बाद पुनः कोशी पुल का निर्माण शुरू हुआ और 2020 में इसका शुभारंभ हुआ। उन्होंने कहा कि राजद-कांग्रेस की मिलीभगत और उपेक्षा के कारण कोशी क्षेत्र के विकास की गति बनने वाला एक पुल 17 वर्षों तक शुभारंभ की बाट जोहता रहा। उन्होंने कहा कि इस पुल के बनने के बाद कोशी के बहुत से इलाकों की मिथिला के कई इलाकों से दूरी 300 किलोमीटर तक घट गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोशी इलाके में बाढ़ सबसे बड़ी समस्या है। हर साल इस इलाके में जानमाल का बड़ा नुकसान ेाता है।

उन्होने कहा कि करीब 11000 करोड़ की परियोजनाओं की स्वीकृति के साथ इस समस्या के निदान की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि कोशी, बागमती, गंडक बेसिन बनाया जा रहा है, जिसके बाद यहां एक सुरक्षा कवच बन जायेगा। उन्होंने कहा कि अभिशाप को वरदान का रूप दिया जा रहा है और जिस पानी से लोगों की जिंदगियां चली जाती थी, उसी से करीब दो लाख हेक्टेयर जमीन की सिंचाई की जाएगी।

ईडी ने अनिल अंबानी के घर और 3,000 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन से जुड़े एक मामले में रिलायंस अनिल अंबानी समूह की 40 से ज्यादा संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। इसमें इस उद्योगपति का मुंबई के पाली हिल इलाके में बना मशहूर आवास भी शामिल है तथा ज़ब्त की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 3,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

ईडी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि इसके अलावा दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, मुंबई, पुणे, ठाणे, हैदराबाद, चेन्नई, कांचीपुरम और पूर्वी गोदावरी स्थित संपत्तियों को कुर्क किया गया है। ज़ब्त की गई इन संपत्तियों में कार्यालय स्थल, आवासीय इकाइयाँ और ज़मीन का शामिल हैं।

इनका कुल मूल्य लगभग 3,084 करोड़ रुपये आंका गया है। यह मामला समूह की दो कंपनियों रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) के आम लोगों से जुटाए धन की कथित हेराफेरी और शोधन से जुड़ा है। ईडी की जांच में पाया गया कि 2017 और 2019 के बीच, यस बैंक ने इन कंपनियों में लगभग 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। ये निवेश बाद में गैर-निष्पादित हो गए, जिससे 3,300 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया रह गया। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि नियमों को दरकिनार कर धन का लेनदेन किया गया। पूर्ववर्ती रिलायंस निप्पॉन म्युचुअल फंड में निवेश किए गए पैसे को यस बैंक के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से अनिल अंबानी समूह की कंपनियों में लगाया गया। ऐसा करने में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के नियमों की अनदेखी की गयी। ईडी को अपनी जांच में कर्ज देने की प्रक्रिया में 'लगातार और जानबूझकर की गयी विफलताओं' का पता चला।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्व कप जीतने पर बधाई दी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को पहला विश्व कप जीतने पर सोमवार को बधाई दी और कहा कि यह ऐतिहासिक उपलब्धि खेल को और ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 'एक्स' पर लिखा, "लड़कियों ने जिस तरह से भारत का मान बढ़ाया है, मैं उसकी सराहना करती हूँ।" भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका पर 52 रन की जीत के साथ अपना पहला विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया और देश की खेल उपलब्धियों में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जिस तरीके से लड़कियों ने भारत को गौरवान्वित किया है, उसकी मैं सराहना करती हूं।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रत्येक सदस्य को आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 जीतने पर हार्दिक बधाई! उन्होंने पहली बार इसे जीतकर इतिहास रच दिया है।'' राष्ट्रपति ने कहा, ''वे अच्छा खेलती रही हैं और आज उन्हें अपनी प्रतिभा एवं प्रदर्शन के अनुरूप परिणाम मिला। यह ऐतिहासिक क्षण महिला क्रिकेट को और भी ऊंचे शतर पर ले जाएगा। लड़कियों ने भारत को जिस तरह से गौरवान्वित किया है, मैं उसकी प्रशंसा करती हूं।''

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने इस जीत को ऐतिहासिक उपलब्धि और राष्ट्र के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "बल्ले और गेंद से शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा के शानदार प्रदर्शन ने भारत को यह यादगार जीत दिलाई।"

उन्होंने कहा कि भारतीय टीम की दृढ़ता, कौशल और अदम्य भावना ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है और देश को गौरवान्वित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पूरा देश इस सफलता से बेहद खुश है। यहां आयोजित उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "यह कार्यक्रम विज्ञान से जुड़ा है, लेकिन पहले मैं भारत की शानदार क्रिकेट जीत की बात करूंगा।"

अनियंत्रित डम्पर की चपेट में आने से 11 लोगों की मौत, कई घायल

✷ वेबवार्ता. जयपुर ✷

राजस्थान में जयपुर के हरमाड़ा थाना क्षेत्र में सोमवार को एक अनियंत्रित

डम्पर ने कई वाहनों को टक्कर मार दी जिसमें 11 लोगों की मौत हो गयी और कई लोग घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे लोहा मंडी में जब ट्रैफिक सामान्य था, अचानक एक तेज रफ्तार से आ रहे डम्पर ने अनियंत्रित होकर एक कार को टक्कर मार दी। रफ्तार इतनी अधिक थी कि इसके बाद उसने कई वाहनों और मोटर साइकिलों को चपेट में ले लिया। बाद में वह डिवाइडर से टकराकर पलट गया।

थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक उदयसिंह ने 11 लोगों की मरने की पुष्टि की है। इस घटनामें कई लोग घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंच गये और घायलों को निकालकर कांवटिया पहुंचाया जहां से गंभीर घायलों को एसएमएस अस्पताल भेज दिया गया।

पुलिस ने बताया कि घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद आसपास के लोगों में आक्रोश है और स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

इसरो ने मार्च 2026 के अंत तक 7 मिशन प्रक्षेपित करने का लक्ष्य तय किया

श्रीहरिकोटा, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मार्च 2026 के अंत तक 7 मिशन प्रक्षेपित करने का लक्ष्य तय किया है। इनमें गगनयान कार्यक्रम के तहत पहला मानवरहित मिशन भी शामिल है। यह जानकारी इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने दी। उन्होंने कहा कि इसरो ने गगनयान कार्यक्रम के तहत मानवयुक्त मिशन से पहले तीन मानवरहित मिशन को प्रक्षेपित करने की योजना बनाई है। इनमें से पहला मानवरहित प्रक्षेपण - जी1 मिशन - मार्च 2026 तक होने की संभावना है। नारायणन ने कहा, 'हमारा गगनयान कार्यक्रम अच्छी तरह आगे बढ़ रहा है। यह अग्रिम चरण में है। सभी उपकरण श्रीहरिकोटा पहुंच चुके हैं और उन्हें संयोजित किया जा रहा है। हमने तीन मानवरहित मिशन की योजना बनाई है। पहला मानवरहित मिशन, जी1 मिशन, चालू वित्त वर्ष के अंत से पहले पूरा हो जाएगा।'

इसरो प्रमुख ने भविष्य के मिशन कार्यक्रमों के बारे में कहा कि मार्च 2026 के अंत से पहले सात मिशनों की योजना बनाई गई है। वह अंतरिक्ष विभाग के सचिव पद पर भी पदस्थ हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस दृष्टिकोण के तहत की गई है कि इसरो अगले पांच वर्षों में 50 रॉकेट प्रक्षेपित करेगा। नारायणन ने कहा, 'हमने इस वित्तीय वर्ष के अंत से पहले सात प्रक्षेपण करने की योजना बनाई है। यह मार्च 2026 तक है।'

3 और पीएसएलवी मिशन को देंगे अंजाम: वी. नारायणन इसरो की ओर से प्रस्तावित मिशन के बारे में कहा कि रविवार के एलवीएम3-एम05 प्रक्षेपण के बाद, एजेंसी एक अन्य एलवीएम3 रॉकेट प्रक्षेपण करेगा, जो एक ग्राहक के लिए वाणिज्यिक संचार उपग्रह कक्षा में ले जाएगा। इसके बाद हम तीन और पीएसएलवी मिशन को अंजाम देंगे। इनमें से एक एनएसआईएल के ग्राहक के उपग्रह के लिए है। न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड इसरो की वाणिज्यिक शाखा है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख ने कहा कि इसरो ने एक अन्य प्रौद्योगिकी विकास मिशन पीएसएलवी-एन1 की भी योजना बनाई है, जिसे चालू वित्त वर्ष के अंत से पहले प्रक्षेपित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा, 'बहुत सारे घटनाक्रम हो रहे हैं। हमने मार्च 2026 से पहले जीएसएलवी-एफ17 रॉकेट मिशन की भी योजना बनाई है।'

जेवर एयरपोर्ट शुरू होने से पहले यमुना सिटी की संवरी सूरत, आवासीय सेक्टरों में 87 पार्क तैयार

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। एक अधिकारी ने बताया कि यमुना सिटी के सेक्टर-18 और 20 आवासीय सेक्टर हैं। प्राधिकरण वर्ष 2009 से अब तक करीब नौ आवासीय भूखंड योजना के अंतर्गत सेक्टर-18 और 20 में करीब 30,011 आवासीय भूखंडों का आवंटन कर चुका है। कुल भूखंडों में से 16562 की चेकलिस्ट जारी हो चुकी है। इनमें 12 हजार की रजिस्ट्री भी हो चुकी है। शेष 13,449 भूखंडों की अब तक चेकलिस्ट जारी नहीं हो सकी है।

प्राधिकरण वर्तमान में करीब 1100 आवंटियों को कंप्लीशन सर्टिफिकेट भी जारी कर चुका है। यानी इन लोगों ने सेक्टरों में आवास बना लिए हैं या फिर 30 प्रतिशत तक निर्माण कर लिया है। उधर, एयरपोर्ट से दिसंबर में उड़ान प्रस्तावित है। दावा है कि एयरपोर्ट शुरू होने के बाद शहर में बसावट तेज होगी।

ऐसे में हरियाली बढ़ाने की दिशा में काम शुरू हो गया है। अब प्राधिकरण आवासीय समेत विभिन्न सेक्टरों में 87 पार्क विकसित कर रहा चुका है। यहां घास की टीले और पौधे लग चुके हैं। इसके साथ ही बाउंड्री वाल भी हो चुकी है, लेकिन अब तक झूले और ओपन जिम नहीं लगे हैं। सेक्टरों में लोगों के बसने के बाद पार्कों में यह काम पूरे होंगे।

कोई क्रांति नहीं है, 2028 तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे सिद्धारमैया, अटकलों पर कर्नाटक के मंत्री

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान ने 'नवंबर क्रांति' की अटकलों को खारिज करते हुए रविवार को कहा कि उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने की इच्छा रखते हैं और वह चाहते हैं कि शिवकुमार 2028 में सिद्धरमैया के पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद पदभार संभालें। नवंबर में कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल के ढाई साल पूरे हो रहे हैं। पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंचने पर नेतृत्व में संभावित बदलाव की अटकलें लग रही हैं और कुछ लोग इस चरण को 'नवंबर क्रांति' कह रहे हैं।

आवास मंत्री खान ने यहां एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, 'मैंने कहा है कि कोई क्रांति नहीं है। सिद्धरमैया 2028 तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे।' शिवकुमार के समर्थकों द्वारा यह नारा लगाये जाने के बारे में पूछे जाने पर कि उनके नेता अगले मुख्यमंत्री होंगे, उन्होंने कहा, 'उनके समर्थकों की ऐसी इच्छा होना स्वाभाविक है। शिवकुमार की भी मुख्यमंत्री बनने की इच्छा है। वर्ष 2028 तक सिद्धरमैया मुख्यमंत्री बने रहेंगे और सिद्धरमैया के बाद (शिवकुमार बनेंगे)।' खान ने कहा, 'उन्होंने (शिवकुमार) भी पार्टी के लिए काम किया है। उनके और सिद्धरमैया की वजह से ही आज हमारे (कांग्रेस के) पास (विधानसभा में) 140 सीट हैं।' उन्होंने कहा, 'वह (शिवकुमार) भी मुख्यमंत्री बनने की इच्छा रखते हैं। हम भी चाहते हैं कि सिद्धरमैया के बाद शिवकुमार मुख्यमंत्री बनें। वर्ष 2028 तक सिद्धरमैया मुख्यमंत्री हैं, इसके बाद शिवकुमार।' सत्तारूढ़ कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें पिछले कुछ समय से जारी हैं और ऐसी खबरें हैं कि सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच कथित तौर पर सत्ता-साझा करने को लेकर समझौता हुआ है।

मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने हाल में कहा था कि यदि कांग्रेस आलाकमान फैसला करता है तो वह पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री के पद पर बने रहेंगे। मंत्री खान ने कहा कि इस महीने के अंत में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा फैलाई जा रही हैं और ऐसा कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह उनकी पार्टी के भीतर गुटबाजी को छिपाने के लिए फैलाई जा रही है। खान ने कहा कि सभी लोग कांग्रेस आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा है कि सिद्धरमैया 2028 तक मुख्यमंत्री बने रहें। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं है..।'

यह पूछे जाने पर कि क्या मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना है, उन्होंने कहा कि ऐसा हो सकता है और इसका निर्णय आलाकमान द्वारा किया जायेगा। मई 2023 में विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद शीर्ष पद के लिए दोनों नेताओं के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी और कांग्रेस आलाकमान ने अंततः शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री का पद संभालने के लिए मना लिया था। उस समय आई खबरों से संकेत मिलता था कि ''निश्चित अवधि के लिए बारी-बारी से मुख्यमंत्री'' की व्यवस्था पर सहमति बन गई है जिसके तहत शिवकुमार ढाई साल बाद पदभार संभालेंगे। हालांकि पार्टी ने कभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की।

260 रुपये चोरी के आरोपी कर्मचारी को हाईकोर्ट से भी राहत नहीं, जांच और आपराधिक कार्यवाही साथ चलेंगे

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भारत सरकार की टकसाल से 260 रुपये के सिक्के चोरी करने के आरोपी कर्मचारी को राहत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने नोएडा की टकसाल के इस कर्मचारी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा और विभागीय जांच एकसाथ चलाने की अनुमति दी है। कोर्ट ने कहा कि भारत सरकार की टकसाल में सिक्कों की ढलाई का काम होता है। इसका देश की अर्थव्यवस्था पर सीधा असर है। निष्पक्ष जांच से संस्था में पादर्शिता आएगी और कर्मचारियों में विश्वास उत्पन्न होगा। इसी के साथ कोर्ट ने विभागीय जांच और निलंबन पर रोक लगाने की मांग में दाखिल याचिका खारिज कर दी।

यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट ने आनंद कुमार की याचिका पर दिया है। नोएडा स्थित टकसाल में असिस्टेंट ग्रेड तृतीय के पद पर कार्यरत आनंद कुमार को 19 दिसंबर 2024 को गेट पर सीआईएसएफ सुरक्षाकर्मियों ने 20 रुपये के 13 सिक्के चोरी करने के आरोप में पकड़ा था। इसके बाद उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने ट्रायल कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया।

इससे पूर्व टकसाल अधिकारियों ने तीन दिसंबर 2024 को आरोप पत्र जारी करते हुए याची के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी थी। साथ ही याची को 19 दिसंबर 2024 को निलंबित कर दिया गया। याची ने विभागीय जांच व निलंबन आदेश को याचिका के माध्यम से चुनौती दी। कहा गया कि एक ही मामले में दो कार्यवाही (विभागीय जांच व आपराधिक कार्यवाही) एक साथ नहीं चल सकती। दोनों कार्यवाही में सबूत समान हैं। ऐसे में विभागीय जांच जारी रखने से याची के प्रति पूर्वाग्रह उत्पन्न होगा और उसे बचाव में नुकसान होगा।

विपक्षी के अधिवक्ता प्रांजल मेहरोत्रा ने दलील दी कि आपराधिक कार्यवाही व विभागीय जांच में सबूत अलग हैं। दोनों कार्यवाही का उद्देश्य अलग है इसलिए दोनों एक साथ चल सकती हैं। कोर्ट ने कहा कि याची पर भारत सरकार की टकसाल से रुपये चोरी करने का आरोप है। ऐसे में गंभीर मामले के आरोपी को काम करने देना संस्था के हितों के लिए सही नहीं होगा। जांच पर रोक लगाने से जवाबदेही की कमी की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। टकसाल जैसे संवेदनशील संस्थान के हित में जांच लंबित रखना उचित नहीं है। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए विभागीय जांच आदेश की तारीख से तीन महीने के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया है।

महिला को शराबी ने चलती ट्रेन से धकेला, हालत गंभीर

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। तिरुवनंतपुरम की ओर जा रही केरला एक्सप्रेस में एक शराबी ने महिला को ट्रेन से बाहर धकेल दिया। इसकी वजह से उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। रेलवे पुलिस ने बताया कि रविवार को ट्रेन के वर्कला स्टेशन से निकलने के कुछ देर बाद ही यह घटना हुई। यात्रियों की सूचना पर ट्रेन को रुकवाया गया और फिर पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू करके वर्कला स्टेशन से करीब दो किलोमीटर दूर महिला को पटरियों पर गंभीर हालत में पाया।

पुलिस ने बताया कि महिला को वहां से सीधे एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है।

उन्होंने बताया कि उसकी हालत गंभीर बनी हुई है, क्योंकि उसे काफी अंदरूनी चोटें आई हैं।अधिकारियों के मुताबिक ट्रेन को रोके जाने के बाद आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन यात्रियों और रेलवे पुलिस के अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया। बाद में उसे कोचुवेली स्टेशन पर हिरासत में ले लिया गया। आरोपी की पहचान तिरुवनंतपुरम निवासी सुरेश कुमार के रूप में हुई है।

घटना की जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ित महिला और उसकी दोस्त अलुवा से जनरल डिब्बे में सवार होकर तिरुवनंतपुरम की ओर जा रहे थे। इसी दौरान जब महिला टॉयलेट से बाहर आई, तो कथित तौर पर दरवाजे के पास खड़े सुरेश ने उसे चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिया। इसके बाद वहाँ खड़े यात्रियों ने ट्रेन को रोककर रेलवे पुलिस को इसकी जानकारी दी।

महिला की दोस्त ने बताया कि वह बाथरूम से बाहर आ रही थी , तभी शराबी ने हम दोनों पर हमला कर दिया। उसने आगे कहा, 'सबसे पहले उसे नीचे फेंक दिया, मैंने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन नहीं बचा पाई। इसके बाद उसने मुझे भी नीचे फेंकने की कोशिश की लेकिन मैं रेलिंग पकड़कर लटक गई, तब तक दूसरे यात्रियों ने मुझे ऊपर खींच लिया।' पुलिस ने बताया कि सुरेश पूरी तरह से नशे में धुत था। वह कोट्टायम से ट्रेन में चढ़ा था। फिलहाल उसे हिरासत में रखा गया और मेडीकल जांच के लिए फोर्ट अस्पताल ले जाया गया था।

तेजस्वी यादव ने किया संवाद, बोले- 'हर घर की सरकार में भागीदारी होगी'

पटना, एजेंसी। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता वोटरों को लुभाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने फेसबुक लाइव कर संवाद किया। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि लोग अपने मत का इस्तेमाल करें। जहां भी हमारे महागठबंधन के उम्मीदवार हैं, आपको अपना एक-एक वोट देकर उनकी भारी जीत सुनिश्चित करनी है। और यह समझ लीजिए, यह तेजस्वी का संकल्प है कि जब हमारी सरकार बनेगी तो तेजस्वी हर उस परिवार को एक सरकारी नौकरी देगा जिसके पास नौकरी नहीं है। उन्होंने कहा कि आज तीन-चार लोग ही बिहार की सरकार को चला रहे हैं। बिहार के हर परिवार में एक सरकारी नौकरी होगी तो सभी परिवार बिहार सरकार को चलाने का काम करेंगे। मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि बिहार सरकार की तख्ती अपने घर में लगाने की तैयारी कर लीजिए। हर घर की सरकार में भागीदारी होगी। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था।

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि कुर्सी में बैठे बुजुर्ग लोग युवाओं को नौकरी नहीं दे सकते हैं। बिहार को आगे बढ़ाने वाले युवा ही अवसर पैदा कर सकते हैं। बिहार के युवा डराने-धमकाने वाली सरकार को हटाएंगे और रोजगार देने, मकान बनवाने, और गरीबी हटाने वाली सरकार लाएंगे।

बता दें कि इससे पहले तेजस्वी यादव ने दिन में मोकामा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी लड़ाई गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, पलायन, अपराधियों और भ्रष्टाचारियों से है। उन्होंने कहा कि इस जनसभा में आए लोगों की भीड़ का उत्साह और जुनून बता रहा है कि सरकार बदलने वाली है, बिहार बदलने वाला है। उन्होंने कहा कि एनडीए को 20 साल मिले, वे जो 20 साल में नहीं कर पाए, हम उसे 20 महीने में कर देंगे। मेरी लड़ाई गरीबी, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के खिलाफ है, इसलिए तेजस्वी जनता से सिर्फ 20 महीने मांग रहा है।

ओडिशा में 8 करोड़ रुपए की 60 किलो ड्रग्स जब्त

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के मलकानगिरी जिले में पुलिस ने रविवार को हशीश तेल की अवैध तस्करी में शामिल एक गैंग का भंडाफोड़ किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मीडिया से बातचीत के दौरान मलकानगिरी के सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसपी) विनोद पाटिल ने बताया कि पुलिस ने 60 किलो हशीश का तेल जब्त किया है। उन्होंने बताया कि जब्त किए गए हशीश तेल की मार्केट वैल्यू करीब 8 करोड़ रुपए है। इस मामले में शामिल 8 अनजान आरोपी क्राइम स्पॉट से भागने में कामयाब हो गए और आठ मोटरसाइकिलें वहीं छोड़ गए, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया है। मलकानगिरी के एसपी ने आगे बताया कि आठों आरोपी ड्रग पेडलर्स को गिरफ्तार करने की कोशिशें जारी हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, रविवार को करीब सुबह 11 बजे चित्रकोण्डा थाने की एक टीम गश्त पर थी, तभी उन्हें खुफिया जानकारी मिली कि आठ व्यक्ति ईएसएसएआर चौक के पास साल के जंगल में आठ मोटरसाइकिलों के साथ इकट्ठा हुए हैं। वे कथित तौर पर पड़ोसी आंध्र प्रदेश से आए एक खरीदार को अवैध तरल गांजा या हशीश की तस्करी करने के इंतजार में थे।

सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पेट्रोलिंग टीम तुरंत मौके पर पहुंची। मलकानगिरी पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पुलिस वाहन और वर्दीधारी कर्मियों को देखते ही आठ व्यक्ति मौके से अपनी मोटरसाइकिलें और संदिग्ध मादक पदार्थों से भरा एक प्लास्टिक का थैला छोड़कर भाग निकले। गश्ती दल ने अपराधियों का पीछा किया और उन्हें पकड़ने की कोशिश की, लेकिन घने जंगल का फायदा उठाकर वे फरार हो गए।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में बाघ के हमले में बाल-बाल बचे जंगल सफारी कर रहे पर्यटक

पीलीभीत, एजेंसी। जून में बंद किया गया पीलीभीत टाइगर रिजर्व अब खुल चुका है। पीटीआर के जंगल सफारी के लिए पर्यटकों ने भी पहुंचना शुरू कर दिया है। लेकिन सीजन के पहले ही दिन जंगल सफारी करने पीलीभीत टाइगर रिजर्व पहुंचे पर्यटक बाल-बाल बच गए। जंगल सफारी के दौरान झाड़ियों से एक बाघ अचानक से निकल आया और पर्यटकों पर हमला कर दिया। पर्यटक को देखकर पहले तो बाघ गुर्राया, फिर सफारी गाड़ी के पीछे दौड़ लगा ली। कुछ देर के लिए तो पर्यटकों की घिग्घी बंध गई। हालांकि गाइड की सूझबूझ के चलते पर्यटकों की जान बच पाई। बाघ का हमले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व शनिवार को पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। नए सीजन के पहले ही दिन काफी संख्या में पर्यटक जंगल सफारी करने के लिए पहुंचे थे। पर्यटकों में सबसे ज्यादा उत्साह बाघ का दीदार करने को लेकर दिख रहा था। पूरनपुर निवासी नितिन खंडेलवाल अपने परिवार के पांच सदस्यों समेत 14 लोग भी पीटीआर घूमने के लिए पहुंचे थे। ये सभी लोग सफारी गाड़ी पर सवार हुए और बाघ के दीदार को निकल पड़े। सैलानियों को लगा कि बाघ आसपास है। सफारी गाड़ी के चालक ने बाघ को दिखाने के लिए कुछ देर गाड़ी को रोका। एक बाघ दिखाई दिया तो पर्यटकों ने वीडियो बनाना शुरू कर दिया। इसी बीच एक बाघ गुर्राते हुए झाड़ियों से अचानक बाहर आ गया। यह देखकर गाइड ने सफारी गाड़ी को दिया।

आश्रम चौक से बदरपुर बॉर्डर तक सिग्नल फ्री होगा रोड, दिल्ली से फरीदाबाद तक राहत

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद दिल्ली के आश्रम चौक से लेकर बदरपुर बॉर्डर तक सिग्नल फ्री परियोजना पर काम शुरू होगा। एनएचएआई प्रबंधन ने यह निर्णय लिया है। अगले वर्ष जून तक डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। दिल्ली-आगरा हाईवे के दिल्ली के आश्रम चौक से बदरपुर बॉर्डर तक का एरिया दिल्ली लोक निर्माण विभाग के पास था, लेकिन दिल्ली सरकार के अनुरोध पर हाईवे का यह हिस्सा अब एनएचएआई के अधिकार क्षेत्र में आ गया था। आश्रम चौक से बदरपुर बॉर्डर फ्लाईओवर तक जाम की समस्या है। इससे निजात के लिए एनएचएआई प्रबंधन ने हाईवे के हिस्से को ट्रैफिक सिग्नल फ्री करने की कार्ययोजना पर काम शुरू कर दिया है। विभाग इसकी डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार करवाने की तैयारी में जुटा हुआ है। हालांकि, इसमें समय लगेगा। इस परियोजना पर काम शुरू करवाने से पहले एनएचएआई प्रबंधन ने बदरपुर से लेकर आश्रम चौक तक की मरम्मत का कार्य निजी एजेंसी को सौंप दिया है। एजेंसी को एक वर्ष तक के लिए जिम्मा दिया गया है।

आवागमन के लिए एक और वैकल्पिक मार्ग मिलेगा

एनएचएआई के एक अधिकारी ने बताया कि फरीदाबाद की ओर से दिल्ली के लिए आवाजाही करने के लिए दिल्ली-आगरा हाईवे एकमात्र हाईवे है। इसका दूसरा विकल्प डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे तैयार किया जा रहा है। दिल्ली की सीमा में इसका निर्माण कार्य अभी पूरा नहीं हुआ है। इसका करीब 93 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। दिल्ली कालिंदी कुंज चौक के पास अभी इस एक्सप्रेसवे के लिए आर्च ब्रिज का निर्माण कार्य होना है। इसका काम अगले वर्ष जून तक ही हो सकेगा। इसे देखते हुए अगले वर्ष जून के बाद ही आश्रम चौक-बदरपुर सिग्नल फ्री योजना पर काम शुरू होगा। डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक शुरू होने के बाद बदरपुर से आश्रम की ओर जाने वाले ट्रैफिक के लिए वैकल्पिक मार्ग मिलेगा।

फ्लाईओवर से सराय काले खां तक जाना आसान होगा

59 किलोमीटर लंबे डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य दिल्ली में कालिंदी कुंज से लेकर पलवल के मंडकौला तक लगभग पूरा हो चुका है। मंडकौला में यह एक्सप्रेसवे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और केएमपी एक्सप्रेसवे से जुड़ जाता है। दिल्ली में इसे महारानी बाग में डीएनडी फ्लाईओवर तक बनाया जा रहा है। यहां से फ्लाईओवर के जरिये सराय काले खां तक जाना आसान होगा।

नोएडा के ममूरा में हादसा; अस्पताल में ऑक्सीजन पाइप लीक होने से धमाका, अफरा-तफरी

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-66 के मामूरा गांव स्थित मार्क अस्पताल एवं ट्रामा सेंटर के आईसीयू में रविवार दोपहर बारह बजे के करीब शॉर्ट सर्किट से आक्सीजन लाइन में लीकेज के कारण धमाका हो गया। इसके बाद आईसीयू में भर्ती 8 मरीजों को निकालकर दूसरे वार्ड में शिफ्ट किया गया। इस दौरान एक मरीज की मौत हो गई। हालांकि नोएडा पुलिस और अस्पताल प्रबंधन, दमकल विभाग घटना के पहले ही मरीज की मौत की बात कह रहा है।

मरीजों को दूसरे वार्ड में लाया गया : एसीपी वर्णिका सिंह ने बताया कि दोपहर 12 बजे के करीब मार्क अस्पताल एवं ट्रामा सेंटर के आईसीयू में शॉर्ट सर्किट से आग लगने और ऑक्सीजन लाइन में ब्लास्ट होने की सूचना मिली। हादसे के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस टीम घटना के बाद मौके पर पहुंच गई। बिजली गुल होने और आक्सीजन आपूर्ति बाधित होने से आनन-फानन में आईसीयू में भर्ती 8 मरीजों को दूसरे वार्ड में लाया गया।

ट्रैक्टर पलटने से ग्राम प्रधान के पति की मौत

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के निवाड़ी थानाक्षेत्र के गांव सौंदा में सोमवार सुबह अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर पलट गया। हादसे में ग्राम प्रधान के पति की मौत हो गई। परिजनों ने कानूनी कार्रवाई करने से इंकार कर दिया। इस हादसे के बाद परिवार सदमे में है। गांव सौंदा निवासी रजनीश त्यागी किसान थे। उनके परिवार में पत्नी पूनम त्यागी और दो पुत्र हैं। उनकी पत्नी पूनम त्यागी गांव सौंदा की ग्राम प्रधान हैं। रजनीश त्यागी सोमवार सुबह ब्रजेश के साथ ट्रैक्टर ट्राली लेकर खेत में जा रहे थे। राश्ते में अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और गड्ढे में जाकर पलट गया। रजनीश त्यागी उसके नीचे दब गए। सूचना मिलते ही सैकड़ों ग्रामीण मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर के नीचे से रजनीश त्यागी और ब्रजेश को निकाला और स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों ने रजनीश त्यागी को मृत घोषित कर दिया। ग्राम प्रधान पति रजनीश त्यागी की मौत के कारण मुरादनगर क्षेत्र के विधायक अजीत पाल सिंह,ब्लॉक प्रमुख राजीव त्यागी, मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू शिवाच, सुचेता सिंह,पूर्व विधायक सुदेश शर्मा सहित अन्य लोगों ने दुख जताया है। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

दूषित जलापूर्ति होने से लोगों को संक्रमित होने का डर सता रहा

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। ट्रांस हिंडन क्षेत्र में इन दिनों पानी की समस्या गंभीर होती जा रही है। सोमवार को राजेंद्र नगर, डीएलएफ कॉलोनी, वसुंधरा सेक्टर एक समेत कई इलाकों में हुई दूषित जलापूर्ति हुई। इसके चलते लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दूषित जलापूर्ति की समस्या लगातार बनी हुई है। इसकी शिकायत करने पर दो से तीन दिन साफ पानी मिलता है। इसके बाद दोबारा दूषित पानी की समस्या उत्पन्न हो जाती है। राजेंद्र नगर निवासी राकेश कुमार ने बताया कि सोमवार को सुबह में दूषित पानी आया। इसके चलते बाजार से बोतल बंद पानी खरीद गुजारा करना पड़ा। इससे जेब पर रोजाना 30 से 50 रुपये तक का भार बढ़ रहा है। डीएलएफ कॉलोनी निवासी वसीम ने बताया कि कई स्थानों पर पानी के कनेक्शन खुले हुए। इसके चलते लाइन में गंदा पानी घुस जाता है। जिससे रोजाना दूषित पानी की आपूर्ति होती है। उन्होंने बताया कि इसकी कई बार शिकायत भी कर चुके है। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती। वसुंधरा सेक्टर-16 निवासी गौरव ने बताया कि बीते कुछ दिनों से गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। इसके चलते बाजार से बोतल बंद पानी खरीदना पड़ रहा है। इलाके में कई जगह पेयजल लाइन क्षतिग्रश्त है। लोगों ने मांग कि है कि जल्द से जल्द साफ पानी की आपूर्ति कराई जाएं। मामले पर जानकारी देते हुए जलकल विभाग महाप्रंबधक केपी आनंद ने बताया कि मामला संज्ञान में है। प्रभावित इलाकों में फॉल्ट की जांच की जा रही है।

कार पार्किंग के विवाद में दो पक्षों में हुआ खूनी संघर्ष

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। सेक्टर-70 स्थित बसई गांव में रविवार रात कार पार्किंग को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। घटना में दोनों पक्षों के चार-चार लोग घायल हो गए। फेज-तीन थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर चार-चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बसई गांव निवासी श्याम सुंदर ने पुलिस को बताया कि दो नवंबर की रात 10 बजे भांजा नितिन एक शादी समारोह में शामिल होकर घर आ रहा था। घर के निकट निकट गली में सड़क किनारे कार खड़ी करने लगा। पड़ोस में शटरिंग का काम करने वाले आदिल, अलताफ, सद्दाम और गुलफाम मोरना गांव के रहने वाले हैं। तभी चारों मिलकर नितिन से कार खड़ा करने के लिए मना किया। भांजे ने कुछ देर बाद कार हटाने के लिए कहा। इसी बात को लेकर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने नितिन के साथ लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। उसे बचाने पहुंचे अमित, कुलदीप और रोहित के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। चोरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, मोरना निवासी हमीद खान ने पुलिस को बताया कि रात करीब 10 बजे शटरिंग की दुकान में नितिन कार खड़ी करके जाने लगा। उससे कार थोड़ा आगे खड़ा करने के लिए कहा तो नितिन ने अभद्रता शुरू कर दी। विरोध किया तो नितिन के साथी कुलदीप अमित और रोहित कश्यप आ धमके। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट की। इसके चलते अलताफ, सद्दाम, गुलफाम और आदिल को गंभीर चोट आई है। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की शिकायत पर चार-चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सात नवंबर को होगी यीडा की बोर्ड बैठक

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) की बोर्ड बैठक सात नवंबर को होगी। इसके लिए प्रश्ताव तैयार किए जा रहे हैं। इस बार बोर्ड बैठक में नोएडा एयरपोर्ट तक हाइड्रोजन बसों के संचालन, हेरिटेज सिटी समेत आवासीय भूखंड योजना समेत कई प्रश्ताव पारित होंगे। यमुना प्राधिकरण के सीईओ आरके सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को अधिकारी प्रश्ताव तैयार करने में जुटे रहे। इस बार बोर्ड बैठक में सबसे अहम प्रश्ताव हाइड्रोजन बस संचालन का है। इसी माह नवंबर मध्य तक बसों का संचालन होना है। नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन (एनटीपीसी) की ओर से यमुना सिटी में हाइड्रोजन बसें चलाने का प्रश्ताव आया है। इससे शहर को ग्रीन ट्रांसपोर्ट के रूप में भी नई पहचान मिलेगी। एनटीपीसी शुरू में चार लग्जरी एसी बसें लगाएगी, जिनमें 45 सीटें होंगी। यह बसें एक बार हाइड्रोजन भरने पर करीब 600 किलोमीटर तक चल सकेंगी। इनमें से सिर्फ पानी की भाप निकलेगी, कोई प्रदूषण नहीं होगा। बसों का ईंधन भरना और रखरखाव एनटीपीसी ही संभालेगी, जबकि ड्राइवर और कंडक्टर की जिम्मेदारी प्राधिकरण की होगी। तीन वर्ष के इस पायलट प्रोजेक्ट में यदि सफलता मिली तो भविष्य में दिल्ली-एनसीआर में हाइड्रोजन बसों का इश्तेमाल बढ़ाया जा सकेगा। इसके अलावा राया हेरिटेज सिटी को धरातल पर उतारने का प्लान है। परियोजना में सड़क निर्माण को लेकर बदलाव की तैयारी है ताकि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से बचाया जा सके। वहीं, इसे पीपीपी मोड व स्वयं विकसित करने के फैसले पर भी निर्णय लिया जाएगा।

कफ सीरप की खेप साथ 7 पकड़े, बांग्लादेश भेजना था

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

जिले के औषधि विभाग और क्राइम ब्रांच ने सोमवार रात मेरठ रोड के पास घूकना में एक गोदाम में छापा मारकर भारी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सीरप बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस का कहना है कि मौके से करीब चार ट्रक माल बरामद किया गया है। देर रात तक बरामद माल की गिनती में औषधि विभाग और पुलिस की टीम जुटी हुई थी।

सोनभद्र पुलिस ने गाजियाबाद पुलिस को सूचना देकर बताया कि उनके यहां करीब चार करोड़ रुपए की प्रतिबंधित कफ सीरप फैंसीडरिल बरामद किया गया है। यह माल गाजियाबाद से लाया गया था और बांग्लादेश भेजा जाना था।

इस जानकारी के आधार पर क्राइम ब्रांच ने सोमवार को घूकना मोड़ के पास बने गोदाम में छापा मारा। मौके पर गोदाम के बाहर ही चार मिनी ट्रक खड़े मिले। जांच में इन ट्रकों में ऊपर सड़े हुए चावल और चूने की बोरियों के नीचे कफ सीरप की शीशियां लदी हुई पाई गईं।

पुलिस ने मौके से सात लोगों को हिरासत में लिया है। आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। मौके से 10 लाख रुपए से ज्यादा नकदी भी बरामद की गई है। पुलिस का कहना है कि कफ सीरप बाहर से गाजियाबाद लाकर अन्य प्रदेशों को भेजा जाता था या गाजियाबाद में ही बनाकर तस्करी कर बाहर भेजा जा रहा था इसकी जांच की जा रही है। आरोपितों से पूछताछ में इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

झारखंड पुलिस ने रांची और सोनभद्र पुलिस ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सीरप बरामद किया है। दोनों ही मामलों में सीरप गाजियाबाद से भेजा जाना पाया गया। इसके बाद रांची और सोनभद्र पुलिस ने गाजियाबाद पुलिस को सूचना दी। इसी सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई है।

पुलिस अधिकारी अपराध पीयूष कुमार सिंह के मुताबिक औषधि विभाग की टीम ने बरामद सीरप का नमूना लेकर जांच को भेजा है। जांच रिपोर्ट से पता चल पाएगा कि सीरप नकली हैं या टैक्स चोरी कर माल गाजियाबाद से बाहर भेजा जा रहा था

मौके से चार ट्रक माल बरामद करने के अलावा सात लोग हिरासत में लिए गए हैं। आरोपितों से पूछताछ में पूरे रैकेट की जानकारी की जा रही है। माल कहां से आता था और किन प्रदेशों में भेजा जाता था इसकी जानकारी भी जुटाई जा रही है। शीघ्र मामले का पर्दाफाश किया जाएगा।

आतिशबाजी से फ्लैट में आग लगी

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

राजनगर एक्सटेंशन के ऑफिसर सिटी-एक सोसाइटी में पटाखों की चिंगारी से एक फ्लैट में आग लग गई। हादसे में फ्लैट के बाहर रखी वाशिंग मशीन, कूलर और एल्यूमीनियम गेट जल गए।

पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ नंदग्राम थाने में केस दर्ज कराया है। ऑफिसर सिटी-एक सोसाइटी में रहने वाले विपिन अग्रवाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बीते दिनों गुरुग्राम गए थे। 19 अक्तूबर की रात करीब 11 बजे मोरटा चौकी प्रभारी विक्रांत और मकान मालिक गिरीश गुलाठी ने उन्हें फोन किया। उन्होंने घर से धुआं निकलने की बात कहते हुए तुरंत किसी को भेजने के लिए कहा।

विपिन के मुताबिक उन्होंने अपने बेटे को मौके पर भेजा, लेकिन तब तक आसपास के लोग फ्लैट के मुख्य दरवाजा तोड़ चुके थे।

पीड़ित के मुताबिक नीचे कुछ शरारती तत्व पटाखे छोड़ रहे थे, जिनकी चिंगारी उनके फ्लैट की बालकनी में रखी वाशिंग मशीन और कूलर पर जा गिरी।

इससे आग लग गई और दोनों उपकरण जल गए। धमाके से घर की एल्यूमिनियम की खिड़कियां, शीशे व मुख्य लकड़ी-लोहे का गेट भी क्षतिग्रश्त हो गया। विपिन अग्रवाल ने बताया कि उस समय रसोई में तीन गैस सिलेंडर रखे हुए थे।

अगर आग उन तक पहुंच जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। सीओ नंदग्राम उपासना पांडेय का कहना है कि दो नवंबर को अज्ञात आरोपियों के खिलाफ नंदग्राम थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

बंदरों की समस्या के समाधान के लिए चार सप्ताह में कार्य योजना तैयार करनी होगी

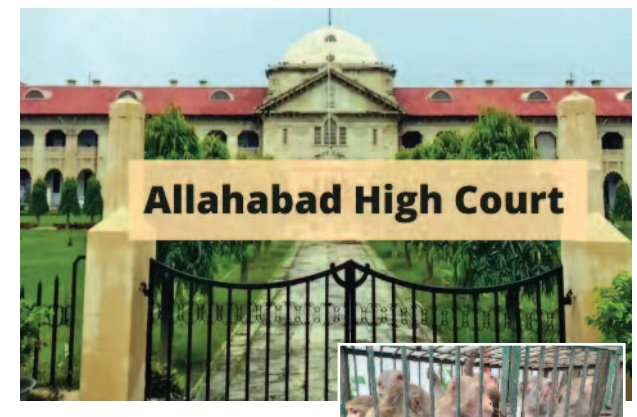

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बंदरों की समस्या के समाधान के लिए प्रदेश सरकार से चार सप्ताह में कार्य योजना तैयार करने के आदेश दिए हैं।

हालांकि, प्रदेश सरकार ने कार्ययोजना तैयार करने के लिए दो महीने को समय मांगा था, जिसे अदालत ने स्वीकार नहीं किया है। कोर्ट ने यह आदेश गाजियाबाद निवासी एक छात्रा और सामाजिक कार्यकर्ता की याचिका पर दिया है।

याचिकाकर्ता विनीत शर्मा और बीटेक छात्रा प्राजक्ता सिंघल की ओर से प्रश्तुत दलीलों को स्वीकार करते हुए उच्च न्यायालय ने प्रदेश सरकार को आदेश दिए कि वह कोई भी योजना तैयार करते हुए परामर्श करे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बंदरों पर किसी भी प्रकार की क्रूरता न हो। याचिकाकर्ताओं के वकील आकाश वशिष्ठ ने कहा कि राज्य भर में बंदरों की समस्या से निपटने के लिए हमारे द्वारा तैयार की प्रश्तावित कार्य योजना सौंपी है। इसके अलावा हमने अदालत को बताया कि सरकार को नगर पालिका परिषद मोदीनगर द्वारा तैयार किए प्रारूप और योजना पर भी विचार करना चाहिए। जिसे कुछ शर्तों के साथ अपनाया जा सकता है।

उन्होंने बताया अदालत ने 18 सितंबर को प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव (शहरी विकास) को निर्देश दिए कि वह नगर निगम अधिनियम और उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम के अनुसार स्थानीय निकायों को उनकी जिम्मेदारी को पूरा करने का आदेश दिया जाए।

स्मार्ट मीटर के विरोध में लोगों ने काटा बवाल, बैरंग लौटी विद्युत विभाग की टीम

एनसीआर टुडे. मोदीनगर। शहर में स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध थम नहीं रहा है। सीकरी रोड स्थित सी-लाइन कालोनी में सोमवार को स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचीं विद्युत विभाग की टीम को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। लोगों ने विद्युत विभाग के लोगों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचीं और किसी तरह मामला शांत किया। विद्युत विभाग की टीम को बैरंग ही लौटना पड़ा। इन दिनों विद्युत विभाग की टीम शहर में स्मार्ट मीटर लगा रही है। अधिकारियों का दावा है कि शासन श्तर से स्मार्ट मीटर लगाने के आदेश जारी हुए हैं। इसी क्रम में टीम सोमवार को सीकरी रोड पर पहुंचीं और स्मार्ट मीटर लगाने लगी। लेकिन कुछ ही देर में कालोनी के लोग इकट्ठा हो गए और मीटर लगाने का विरोध करने लगे। विद्युतकर्मियों से उनकी नोंकझोंक हुई।

हवा बेहद खराब, प्रदूषण से सांसों पर संकट

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

प्रदूषण का श्तर बेहद खराब श्रेणी में बना हुआ है। सोमवार को एक्यूआई में मामूली गिरावट आई, लेकिन सांसों पर संकट बरकरार है। एनसीआर के प्रमुख शहरों के मुकाबले गाजियाबाद में अधिक प्रदूषण रहा और एक्यूआई 340 दर्ज किया गया।

ग्रैप के दूसरे चरण में भी वायु गुणवत्ता में सुधार नहीं हो रहा है। सोमवार को न्यूनतम तापमान में दो डिग्री की गिरावट हुई। धुंध अधिक रही, जिसके चलते सुबह के समय स्मॉग ज्यादा दिखा। दिन में थोड़ी धूप भी खिली, लेकिन इसका असर प्रदूषण पर नहीं हुआ। स्मॉग के कारण लोगों का दम घुंट रहा है। सोमवार को एक्यूआई 340 रहा, जो दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और हापुड़ से अधिक था। चारों स्टेशनों की वायु गुणवत्ता भी बेहद खराब श्रेणी में है, जबकि वसुंधरा लगातार जिले का सर्वाधिक प्रदूषित इलाका बना हुआ है। एक्यूआई में बढ़ोत्तरी का सबसे बड़ा कारण ग्रैप का उल्लंघन है। रविवार को उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की छापेमारी में भी फैक्टरियों में लकड़ियां जलाने की पुष्टि हुई थी। इसके अलावा कूड़े के निश्तारण में लापरवाही, कूड़े में आग लगाने पर रोक न लगना और सड़क और निर्माण साइटों पर धूल को नियंत्रित करने के उपाय न किए जाने के कारण वायु गुणवत्ता में सुधार नहीं हो पा रहा है।

यही वजह है कि लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है और सांस के रोगियों को समस्याएं हो रही हैं। चारों स्टेशनों का हाल इंदिरापुरम 305 लोनी 362 संजयनगर 321 वसुंधरा 370 पांच दिन का हाल दिनांक एक्यूआई अधिकतम न्यूनतम 3 नवंबर 340 29 17 2 नवंबर 351 30 19 1 नवंबर 298 31 20.1 31 अक्तूबर 177 27.9 21.7 30 अक्तूबर 364 27 19.5 निकायों के साथ समन्वय कर ग्रैप का पालन सुनिश्चित करा रहे हैं। उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई के लिए मुख्यालय को रिपोर्ट भेजी जा रही है।

अंकित सिंह, क्षेत्रीय अधिकारी, यूपीपीसीबी।

निगम ने 12 साल में 41 हजार कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण कराया

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

नगर निगम ने 12 साल में 41 हजार लावारिस कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण कराया है। कुत्तों की नसबंदी के लिए दो एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर संचालित हैं। निगम ने यह रिपोर्ट पिछले दिनों शासन को भेजी थी।

सोमवार को प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल ने गाजियाबाद समेत अन्य निगम और निकाय द्वारा लावारिस कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण पर कराए जा रहे कार्यों की सुप्रीम कोर्ट को जानकारी दी। नगर निगम के उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डा. अनुज सिंह ने बताया निगम ने वर्ष 2013 में कुत्तों की नसबंदी करानी शुरू की थी।

वर्ष 2013 से 2019 तक 17,702 कुत्तों की नसबंदी हुई। इसके बाद कुत्तों की नसबंदी का काम का धीमा हो गया था। वर्ष 2020 से 2022 तक 304 कुत्तों की नसबंदी हो सकी। वर्ष 2023-24 में 8785 कुत्ते की नसबंदी की गई। वर्ष 2024-25 में 6709 नसबंदी हुई। उन्होंने बताया कि अभी तक 41 हजार कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण कराया जा चुका है।

कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण में तेजी लाने के लिए दो एबीसी सेंटर संचालित हैं। तीसरा एबीसी सेंटर का निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने दावा कि वर्ष 2027 आखिरी तक शहर के सभी लावारिस कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण करा लिया जाएगा।

किसानों ने तहसील कार्यालय के गेट पर ताला जड़ा

अधिकारी हुए बंद, बाद में बाहर निकाला तहसील में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लोनी के मंडोला समेत छह गांव के किसानों ने भाकियू (टिकैत) कार्यकर्ताओं के साथ सोमवार को आवास विकास कार्यालय से तहसील कार्यालय तक पैदल यात्रा निकाली।

कार्यालय में अधिकारियों के न मिलने पर किसान गेट पर तालाबंदी कर तहसील प्रांगण में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। तहसीलदार लोनी ने पहुंचकर बात की।

किसानों ने मांगों पर समझौता होने के बाद ही धरना खत्म करने की बात कही। मंडोला समेत छह गांव के किसान बढ़े हुए मुआवजे की मांग को लेकर पिछले नौ साल से धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। धरने के संयोजक महेंद्र मास्टर ने बताया कि परिषद के अधिकारियों से कई बार वार्ता के बाद भी किसानों की समस्या का समाधान नहीं हुआ। इससे किसानों में रोष है।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत के नेतृत्व में किसानों ने सोमवार को आवास विकास कार्यालय में तालाबंदी कर खन्ना नगर कॉलोनी स्थित तहसील कार्यालय तक पैदल यात्रा निकाली।

तहसील कार्यालय में अधिकारियों के न मिलने पर किसान कार्यालय के गेट पर तालाबंदी कर तहसील प्रांगण में अनिश्चितकाल के लिए धरने पर बैठ गए। तालाबंदी के दौरान कुछ अधिकारी अंदर बंद हो गए। किसानों ने बाद में उन्हें बाहर निकाला। कुछ देर बाद तहसीलदार लोनी अरुण अग्रवाल धरने पर किसानों से मिलने आए।

भाकियू कार्यकर्ताओं और किसानों ने तहसीलदार को बताया कि अधिकारियों को उनकी मांगों के बारे में पता है। अधिकारी हमारे बीच आकर किसान प्रतिनिधियों से वार्ता कर समझौते पर हश्ताक्षर करे। इसके बाद तालाबंदी को खोला जाएगा। ये हैं किसानों की मांग किसानों ने मांगपत्र में मुआवजे में तीन वर्ष के अंतर को महंगाई दर के हिसाब से बढ़ा कर देने, किसानों को दिए जाने वाले भूखंड पर दस प्रतिशत की कटौती किए बिना किसानों को निशुल्क देने, आबादी क्षेत्र को अर्जन मुक्त करने समेत अन्य मांग को पूरा करने की मांग की।

किसानों ने ताला बंदी के साथ ही तहसील प्रांगण में ही अनिश्चित काल तक रहने की बात कही। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन कार्यकर्ता बिल्लू प्रधान, प्रवीण मालिक, टीनू चौधरी, सुनील बालियान, शमशेर राणा, मनवीर प्रधान, शहजाद, चौधरी आबिद अली, नौशाद सिद्दीकी, बॉबी त्यागी ,राकेश त्यागी, लोकेंद्र त्यागी, सुरेश त्यागी मौजूद रहें।

बार का लेनदेन रोकने के लिए बैंक को सौंपी अविश्वास प्रस्ताव की कॉपी, चुनाव कार्यक्रम घोषित

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

आम सभा में अविश्वास प्रश्ताव लाकर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक शर्मा, सचिव अमित नेहरा तथा सह सचिव प्रशासन सोनिका सिंह को उनके पद से हटाने के बाद कार्यकारी अध्यक्ष बनी शबनम खान ने सोमवार को चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया। चुनाव 14 नवंबर को होगा और इसी दिन परिणाम घोषित होगा।

वहीं कार्यकारी अध्यक्ष शबनम सुरक्षा में दो निजी बाउंसर तैनात किए गए हैं। उनकी सुरक्षा बढ़ाने के लिए सोमवार को अधिवक्ता पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचे और पत्र सौंपा। वहीं कार्यकारी अध्यक्ष की ओर से सोमवार को अविश्वास प्रश्ताव की कापी बैंक मैनेजर को सौंपी गई। जिससे बार के खाते से लेनदेन को रोका जा सके।

मुनीष त्यागी, ब्रह्मदेव त्यागी, अतुल शर्मा, नरेश चौधरी, राकेश निवाड़ी व ज्ञानेंद्र शर्मा अध्यक्ष पद के दावेदार है। जबकि हरेंद्र कुमार गौतम, शशि कांत भाटी, वरुण त्यागी, संजय गांधी, स्नेह त्यागी सचिव पद के लिए चुनाव मैदान में है।

हरेंद्र कुमार का कहना है कि चुनाव समय पर नहीं होने पर अधिवक्ता बार एसोसिएशन कार्यालय के बाहर धरना दे चुके हैं।तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल 19 जुलाई 2025 को समाप्त हो गया था। कार्यकारिणी द्वारा चार माह बाद भी चुनाव नहीं कराया जा रहा है। जबकि 25 अक्टूबर चेयरमैन बार काउंसिल उत्तर प्रदेश द्वारा एक माह का समय चुनाव करने के लिए वर्तमान कार्यकारिणी को समय दिया था।

एल्डर कमेटी के चेयरमैन द्वारा भी पत्र जारी कर 30 अक्टूबर तक मतदाता सूची मांगी गई थी। जिससे 14 नवंबर तक चुनाव कराया जा सके। कार्यकारिणी द्वारा मतदाता सूची बनाकर नहीं दी गई है। चुनाव का कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया। ऐसे में शनिवार को को उन्होंने आम सभा का आयोजन कर बार एसोसिएशन की नियमावली की धारा 11 के तहत शबनम खान को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। एल्डर कमेटी को इस संबंध में पत्र लिखा गया है। पत्र के शबनम खान ने लिखा है कि बार एसोसिएशन गाजियाबाद द्वारा जारी चुनाव अधिसूचना और बार काउंसिल आफ इंडिया द्वारा जारी पत्र के मुताबिक बार काउंसिल आफ इंडिया द्वारा 15 नवंबर 2025 के बाद बार एसोसिएशन के चुनावों पर रोक लगाई है। ऐसे में 14 नवंबर 2025 को नए सिरे से चुनाव कराए जाने का निर्णय लिया गया है। चुनाव संचालन समिति की सूची जारी कर दी गई है। सोमवार को मतदाता सूची की आपत्ति पर सुझाव मांगे गए।

अध्यक्ष पद के प्रत्याशी मुनीष त्यागी ने कहा कि अधिवक्ताओं से मतदाता सूची को दुरुश्त करने के लिए सुझाव दिए हैं। बार बैंक खाते के लेनदेन को बंद करने के लिए उन्होंने बैंक मैनेजर को अविश्वास प्रश्ताव पत्र की कापी सौंप दी है।

मीटर रिचार्ज की फर्जी रसीद, प्रबंधन ने पकड़ा 50 लाख का घपला

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

नंदग्राम थाना क्षेत्र में निर्माणाधीन एक प्रोजेक्ट व सोसायटी के विद्युत कार्य की देखरेख कर रहे कर्मचारी पर प्रबंधन ने 50 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। प्रबंधन की तहरीर पर नंदग्राम थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मेसर्स एसेंट कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड नूर नगर राजनगर एक्सटेंशन में लक्ष्मी विलास नामक प्रोजेक्ट का निर्माण करा रही है। कंपनी एक अन्य प्रोजेक्ट सेवी विला डे के निर्माण व विकास कार्य में भी लगी है। कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि सूरज भारद्वाज ने पुलिस में तहरीर देकर बताया कि राकेश कुमार पिछले 12-13 साल से कंपनी में कार्यरत हैं। वह दोनों प्रोजेक्टों के निर्माण व विकास कार्य की देखरेख करते आ रहे हैं, जिसमें बिजली विभाग से संबंधित कार्य भी शामिल है।

राकेश अपना मीटर रिचार्ज कराने के बाद बिजली विभाग द्वारा जारी रसीदें कंपनी को जमा करा रहे थे। मई में उन्हें भुगतान के लिए कंपनी को जमा कराई गई रसीदों पर शक हुआ तो उन्होंने एसडीओ कार्यालय में संपर्क किया। पता चला कि कंपनी को भुगतान के लिए जमा रसीदें फर्जी थीं। जाँच में पता चला कि राकेश ने लगभग 50 लाख रुपये की ठगी की है। नंदग्राम सीओ उपासना पांडे ने बताया कि मामले की जाँच कर कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस पर फायरिंग करने वाले आरोपी रिहा, कोर्ट ने इस वजह से दी जमानत

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. दिनेश चंद्र शुक्ला की अदालत ने सोमवार को लोनी थाना क्षेत्र में पुलिस दल पर फायरिंग करने के आरोपी को जमानत पर रिहा कर दिया।

आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर हत्या का प्रयास किया था। एक पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गया। अदालत ने स्वतंत्र गवाहों की अनुपस्थिति और पुलिसकर्मी के घायल न होने के आधार पर आरोपी को जमानत दे दी।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 109, 317(2), 317(5) और शस्त्र अधिनियम की धारा 3/25/27 के तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस के अनुसार, 7 मई 2025 की रात करीब 9:45 बजे पुलिस लोनी के शकलपुरा के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। पुलिस ने बाइक सवार जुल्फिकार को रुकने का इशारा किया तो जुल्फिकार ने पुलिस दल पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी।

पुलिस ने आरोपी को घेरकर गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक अवैध तमंचा, एक जिंदा व एक खोखा कारतूस और एक चोरी की बाइक बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। आरोपी की पत्नी रुक्सार की ओर से ज़मानत याचिका दायर की गई थी। रुक्सार ने कहा कि उसके पति से कुछ भी बरामद नहीं हुआ। पुलिस ने अपनी अच्छी कार्यप्रणाली दिखाने के लिए झूठा मामला गढ़ा था। गोलीबारी में कोई भी पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ।

सर्वसाधारण सूचना

परिषद की वसुन्धरा योजना गाजियाबाद के सेक्टर-2बी में स्थित भवन संख्या-2बी/309 श्री मलखान सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह, निवासी-2बी/309, वसुन्धरा गाजियाबाद, उ0प्र0 के पक्ष में प्रदेशन पत्र संख्या-1643 दिनांक 22.01.1998 द्वारा आवंटित है। आवंटी ने भवन का कब्जा अनुबन्ध निष्पादित कराकर खण्ड कार्यालय से दिनांक 15.04.1998 को अवन का भौतिक कब्जा प्राप्त कर लिया है, तथा दिनांक 20.03.2003 को भवन का विक्रय विलेख अपने पक्ष में निष्पादित करा लिया है। आवंटी श्री मलखान सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह ने अपने जीवनकाल में एक पंजीकृत वसीयत अपने दोनों पुत्रगण श्री संदीप गौतम एवं श्री रवि बुद्ध ज्योति गौतम पुत्रगण स्व० श्री मलखान सिंह के पक्ष में दी गयी है, जो उप निबन्धक (चतुर्थ), गाजियाबाद के कार्यालय में बहीं संख्या-3, जिल्द संख्या-281 के पृष्ठ 273 से 282 तक क्रमांक-892 दिनांक 26.11.2014 में पंजीकृत हैं। श्री संदीप गौतम एवं श्री रवि बुद्ध ज्योति गौतम पुत्रगण स्व० श्री मलखान सिंह ने अपने प्रार्थना पत्र दिनांक 03.10.2025 द्वारा कार्यालय को सूचित किया है कि उनके पिता श्री मलखान सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह की मृत्यु दिनांक 09.03.2021 को हो गयी है, एवं भवन का नामान्तरण परिषद अभिलेखों में पंजीकृत वसीयत के आधार पर अपने नाम संयुक्त रूप से दर्ज कराना चाहते है, जिसके लिए श्री संदीप गौतम एवं श्री रवि बुद्ध ज्योति गौतम पुत्रगण स्व० श्री मलखान सिंह द्वारा निम्न प्रपत्र कार्यालय में जमा किये है। स्व० श्री मलखान सिंह का प्रमाणित मृत्यु प्रमाण पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धकनामा, रू0-10.00 के स्टाम्प पेपर पर नोटरी द्वारा प्रमाणित कराकर, फोटो व हस्ताक्षर राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित कराकर, तथा गवाहों के शपथ प्रपत्र प्रस्तुत किये गये हैं।

अतः स्व० श्री मलखान सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह की मृत्यु उपरान्त भवन का अन्तरण पंजीकृत वसीयत के आधार पर उनके पुत्रगण श्री संदीप गौतम एवं श्री रवि बुद्ध ज्योति गौतम पुत्रगण स्व० श्री मलखान सिंह का नाम अन्तरित किये जाने में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो, सूचना प्रकाशन की दिनांक से 30 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति साक्ष्यों सहित सम्पत्ति प्रबन्ध कार्यालय, उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, सेक्टर-16ए, वसुन्धरा, गाजियाबाद में जमा करें, अन्यथा निर्धारित तिथि के बाद किसी व्यक्ति का कोई क्लेम मान्य नहीं होगा, तथा श्री संदीप गौतम एवं श्री रवि बुद्ध ज्योति गौतम पुत्रगण स्व० श्री मलखान सिंह के पक्ष में अन्तरण सम्बन्धित कार्यवाही कर दी

सम्पत्ति, प्रबन्धक

संपादकीय

वादे और दावे के बीच झूलती बिहार की राजनीति

बिहार में चुनावी घमासान की हवा चल रही है। प्रमुख राजनीतिक दल इस हवा के रुख को अपनी ओर मोड़ने का जी तोड़ प्रयास भी कर रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी अभी तक कोई भी ऐसी आश्वशित पीलिक्षित नहीं हो रही है कि हवा किस ओर बह रही है।

राजनीतिक दलों द्वारा किए जा रहे दावे और वादे सत्ता की राह को आसान बनाने की मात्र कवायद ही कही जा सकती है। बिहार की राजनीति में चार प्रमुख राजनीतिक दल जोर लगा रहे हैं, बाकी के सभी इनके सहारे सत्ता का स्वाद चखने के लिए लालायित हैं। यह प्रमुख दल अपने ही दल के अंदर उठ रहे भीतरघात के लावे से परेशान हैं। जहां तक राष्ट्रीय जनता दल की बात है तो उनके घर के अंदर से ही विरोध की चिंगारी सुलग रही है। जो भविष्य में बड़ी आग का रूप भी ले सकती है।

तेजप्रताप यादव नए दल के साथ चुनावी मैदान में उतरकर तेजस्वी के सपनों को मिटाने का अभियान छेड़े हुए हैं, वहीं उनके पिता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के शासन करने का अंदाज एक बड़ी चुनौती बन रहा है। भारतीय जनता पार्टी एक प्रकार से इसी को चुनावी मुद्दा बनाने का प्रयास कर रही है। भाजपा की ओर से कहा जा रहा है कि बिहार को विकास चाहिए या फिर जंगलराज चाहिए। लालू प्रसाद यादव के शासन बारे में सर्वोच्च न्यायालय की ओर से इस आशय की टिप्पणी की गई थी कि बिहार में जंगलराज है। राष्ट्रीय जनता दल की ओर से अपनी सरकार के बारे में बताने के लिए कुछ भी नहीं है, इसलिए राजद के पास केवल भाजपा का विरोध करना ही प्रचार करने का एक मात्र विकल्प है।

यह वोट प्राप्त करने का माध्यम तो बन सकता है, लेकिन इसे स्पष्ट रूप से नकारात्मक राजनीति का पर्याय ही माना जाएगा। नकारात्मक राजनीति किसी भी प्रकार से उचित नहीं मानी जा सकती। बिहार की राजनीति में वोट चोरी का मामला भी जोर शोर से उठाया गया। इसका लाभ भी विपक्ष उठा सकता था, लेकिन ऐसा लगता है कि इस मुद्दे को उठाने में विपक्ष ने जल्दबाजी कर दी। चुनाव आयोग की ओर से वोट चोरी के बोर में पक्ष रखने के बाद यह मुद्दा गहरी खाई में समा गया। कांग्रेस और राजद की ओर से जिस प्रकार की राजनीति की जा रही है, वह यही संकेत करती है कि इनको सत्ता प्राप्त करने की जल्दी है। हमारे देश में एक कहावत तो सबने सुनी ही होगी कि जल्दी फायदा कम, नुकसान ज्यादा करती है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव और राहुल गांधी की दोश्ती का परिणाम सभी देख चुके हैं। अब बिहार में राहुल और तेजस्वी एक साथ हैं। राजनीतिक वातावरण में हमेशा से यही प्रचलित धारणा बनी हुई है कि दुश्मन का दुश्मन भी एक दोश्त की तरह ही होता है।

कांग्रेस, भाजपा को राजनीतिक विरोधी ही मानती है, इसके साथ ही राजद के विचार भी भाजपा के विपरीत ही हैं। इसलिए बिहार में आज कांग्रेस और राजद एक साथ हैं। विपक्ष की ओर से राजद के नेता तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा भी घोषित कर दिया है। उन पर परिवारवाद की राजनीति का तमगा भी लगा है। इसके कारण भी राजद के अन्य वरिष्ठ नेता मैदान में खुलकर नहीं आ रहे हैं। राजद के कई नेताओं का अंदाज तेज प्रताप को समर्थन देने जैसा ही है। इस प्रकार की राजनीति भितरघात की श्रेणी में आएगी।

अगर बिहार में तेजप्रताप अपना राजनीतिक कौशल दिखा पाते हैं तो यह स्वाभाविक तौर पर कहा जा सकता है कि फिर तेजस्वी की राह कांटों भरी ही होगी। दोनों भाइयों के बीच यह राजनीतिक घमासान मात्र नेतृत्व की ही लड़ाई है। यह भी सबको समझ में आ रहा है। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर का चुनावी मैदान में आना राजनीतिक सौदेबाजी करने जैसा ही माना जा रहा है। प्रशांत किशोर जितना जोर दिखाएंगे, उतना ही वह बिहार की राजनीति को प्रभावित करेंगे। यह प्रभाव किसके लिए खतरा बनेगा, यह अभी से कह पाना संभव नहीं है, लेकिन बिहार की राजनीति स्थिति को देखकर यही कहा जा रहा है कि प्रशांत किशोर का फोकस उन वोटों पर अधिक है, जो राजद या कांग्रेस को मिलते हैं। कर्पूरी ठाकुर के परिजन को अपनी पार्टी से उम्मीदवार बनाना भी संभवतः इसी रणनीति का ही हिस्सा है।

जहां तक भाजपा और नीतीश कुमार की जदयू की बात है तो यही कहा जा सकता है कि यह दोनों ही विकास के नाम पर वोट मांग रहे हैं। बिहार को विकास की जरूरत भी है। भाजपा और जदयू को लगता है कि विकास के नाम पर उसे फिर से सत्ता प्राप्त हो जाएगी। इसके विपरीत विपक्ष की ओर से कांग्रेस और राजद की ओर से आम जन के निजी स्वार्थों को कुरेदकर उनको आर्थिक लाभ देने के वादे किए जा रहे हैं। ऐसे वादे लोग को त्वरित लाभ तो दे सकते हैं, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है।

नौकरियां देना भी असंभव है, इसलिए स्वरोजगार देने का प्रयास करना चाहिए। केन्द्र सरकार इस दिशा में सार्थक प्रयास कर रही है। जिसके अच्छे परिणाम भी आ रहे हैं। कई लोगों ने अपना जीवन श्तर भी सुधारा है। युवाओं को नौकरी करने वाला नहीं, नौकरी देने वाला बनाने का प्रयास करने की आवश्यकता है। बिहार के युवा इस बारे में सोचें, यही बिहार की राजनीति का आधार बने। राजनीतिक दलों को इस बारे में भी सोचना चाहिए।

राजनीति को जन भावनाओं के अनुसार ही होना चाहिए। इसके लिए परिवारवाद नहीं, लोकतंत्र को जीवित रखने के लिए हर राजनीतिक दल को प्रयास करना चाहिए। हालांकि हमारा आशय परिवार के सहारे राजनीति में कदम रखने वाले राहुल और तेजस्वी के राजनीतिक अश्तित्व पर सवाल खड़े करने का नहीं है। हो सकता है कि वे देश की भावी राजनीति के सूत्रधार बनें, लेकिन फिलहाल उनके खाते में ऐसी कोई राजनीतिक उपलब्धि नहीं है, जिसके आधार पर उनका राजनीतिक आंकलन किया जाए। विपक्ष की दूसरी कठिनाई यह है कि इनके पास प्रचार करने वाले जमीनी नेताओं की कमी है, जबकि भाजपा और जदयू में ऐसे नेताओं की लम्बी सूची है। जिसके कारण यह सभी जगह अपना प्रचार करने की योजना बना सकते हैं। अब देखना यह है कि बिहार की जनता किसको पसंद करेगी और किसको नापसंद, यह आने वाले समय में पता चल जाएगा।

नीतीश को राजनीति से बाहर करने में समय लगेगा

कुमार कृष्णन

भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनकी औकात दिखा दी है। अमित शाह ने साफ कर दिया कि 2025 विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद भी नीतीश के मुख्यमंत्री बने रहने की कोई गारंटी नहीं है।

बिहार के मुंगेर कोतवाली के पीछे शर्मा जी की चाय दुकान पर वहस में यह समझाने की कोशिश की जा रही है कि चुनाव के बाद भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनाएगी। एक मित्र दूसरे मित्र को जोर देकर कहते हैं, बस इंतज़ार कीजिए और देखिए। भाजपा निश्चित रूप से जदयू से ज्यादा सीटें जीतेगी और मुख्यमंत्री की गद्दी पर कब्ज़ा करेगी। नीतीश कुमार अब मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे।

गृह मंत्री की टिप्पणी को नीतीश कुमार के दो दशक लंबे शासनकाल के अंत के संकेत के रूप में व्यापक रूप से देखा जा रहा है, अमित शाह की टिप्पणी ने अनजाने में ही जेडीयू नेता की राजनीतिक स्थिति को मज़बूत कर दिया है। हालाँकि बाद में शाह ने अपना रुख नरम करने की कोशिश की-यह सुझाव देते हुए कि एनडीए नीतीश के नेतृत्व में जारी रह सकता है-लेकिन अटकलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं।

एक समय लुप्त होती ताकत के रूप में खारिज किए जा चुके नीतीश ने अपनी प्रासंगिकता फिर से स्थापित कर ली है और इस चुनावी मौसम में खुद को एक बार फिर बिहार के राजनीतिक विमर्श के केंद्र में स्थापित कर लिया है।

पटना के भीड़-भाड़ वाले बाज़ारों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक, मतदाताओं का मूड बताता है कि अपने स्वास्थ्य और मनःस्थिति पर सवालों के बावजूद, नीतीश एनडीए के चुनावी गणित के लिए अपरिहार्य बने हुए हैं।

पलटू राम और पलटू चाचा जैसे उपहासपूर्ण विशेषण -नीतीश के लगातार बदलते राजनीतिक उलटफेरों को दर्शाते हुए- 2020 के विधानसभा चुनावों में छाए रहे, अब काफी हद तक फीके पड़ गए हैं। राजद के मूल जनाधार वाले यादवों और मुसलमानों को छोड़कर, आज बहुत कम मतदाता इन व्यंग्यों का इस्तेमाल करते हैं।

विडंबना यह है कि 74 वर्षीय नेता ने खुद पाँच साल पहले घोषित अपनी विदाई को दरकिनार कर दिया है और चुनाव प्रचार में वापस आ गए हैं, रोज़ाना कई रैलियों को संबोधित कर रहे हैं, हालाँकि वह अपना लिखा हुआ भाषण ही पढ़ते हैं।

2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान, प्रचार के आखिरी दिन, उन्होंने पूर्णिया के दमदाहा विधानसभा क्षेत्र में एक रैली में घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी चुनावी मुकाबला होगा। आज चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है और परसों चुनाव है। यह मेरा आखिरी चुनाव है। अंत भला तो सब भला, उन्होंने 5 नवंबर, 2020 को कहा था।

नीतीश को दरकिनार किए जाने की चर्चा ने ही गैर-यादव पिछड़ी जातियों के एक बड़े वर्ग को, जो उनका सबसे वफ़ादार मतदाता वर्ग है, उत्साहित कर दिया है।

बेरोज़गारी, भ्रष्टाचार और सरकारी स्कूलों में शिक्षा की खराब गुणवत्ता को लेकर व्यापक शिकायतों के बावजूद, उनमें से कई लोग किसी विकल्प पर भरोसा करने को तैयार नहीं हैं। वे नीतीश को सड़कें बनवाने, अपेक्षाकृत शांति सुनिश्चित करने और बिहार को उसके अराजकता भरे अतीत से बाहर निकालने का श्रेय देते हैं।

गंगा के उस पार राघोपुर में-जो उनके

प्रतिद्वंद्वी तेजस्वी यादव का गढ़ है-अति पिछड़ी जाति के किसान हरलाल चंद्रवंशी, मुख्यमंत्री के मानसिक पतन की अटकलों को विरोधियों का प्रचार कहकर खारिज करते हैं। वे उन वायरल क्लिप्स को नज़रअंदाज़ कर देते हैं जिनमें नीतीश नरेंद्र मोदी को अटल बिहारी वाजपेयी समझ रहे हैं या किसी अधिकारी के सिर पर गमला रख रहे हैं।

विरोधी तो प्रचार करेगा ना। नीतीश जी पूरे फिट हैं, वे जवाब देते हैं, जिससे रुश्तमपुर में उनके यादव साथी गाँव वालों की भौंहें तन जाती हैं। यहाँ के यादव बिहार के अगली पीढ़ी के नेता के रूप में युवा तेजस्वी का पूरे जोश से समर्थन करते हैं। लेकिन हरलाल अड़े रहते हैं: बिहार में जेडीयू के बिना कोई सरकार नहीं बन सकती।

राजद नेता और विपक्षी महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी ने भी अनजाने में जदयू के पारंपरिक समर्थकों में बेचैनी पैदा कर दी है।

उन्होंने शाह के बयान का बार-बार ज़िक्र करके भाजपा पर उनके चाचा नीतीश को दरकिनार करने की साज़िश रचने का आरोप लगाया, जिससे मुख्यमंत्री के प्रति सहानुभूति पैदा हुई। विपक्ष के चुनावी चेहरे तेजस्वी लगभग हर रैली में भीड़ से कहते रहे हैं, यह नीतीश जी का आखिरी चुनाव है। अमित शाह खुद कह चुके हैं कि उन्हें दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा।

1994 में लालू प्रसाद से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने वाले नीतीश को कभी भी अपने दम पर बहुमत नहीं मिला। फिर भी, 2005 में राजद विरोधी लहर पर सवार होकर सत्ता में आने के बाद से, उन्होंने यह सुनिश्चित कर लिया है कि बिहार में उनके बिना कोई भी सरकार नहीं बन सकती।

शुरुआत में अपने ओबीसी कुर्मी समुदाय के बमुश्किल 3 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता के रूप में देखे जाने वाले नीतीश ने व्यापक ओबीसी और दलित वोट बैंक को विभाजित करने के लिए चतुराईपूर्ण सोशल इंजीनियरिंग का इश्तेमाल किया और लगभग 12-15 प्रतिशत का एक विश्वसनीय आधार तैयार किया। उन्होंने इस मूल समर्थन का इश्तेमाल अपनी इच्छानुसार गठबंधन बदलने और बदलते गठबंधनों के बावजूद मुख्यमंत्री की कुर्सी बरकरार रखने के लिए किया है।

2020 के विधानसभा चुनावों में, उनकी पार्टी जेडीयू लगभग पूरी तरह से हार गई थी, 243 में से केवल 43 सीटें जीत पाई, जबकि भाजपा 74 सीटों पर पहुँच गई। फिर भी, इस डर से कि नीतीश राजद में शामिल हो सकते हैं-जो 75 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी-भाजपा उन्हें मुख्यमंत्री पद पर बनाए रखने पर सहमत हो गई।

यह डर तब जायज़ साबित हुआ जब 2022 में, नीतीश ने भाजपा से नाता तोड़कर राजद के साथ गठबंधन कर लिया और भगवा पार्टी पर अपने संगठन को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। 2024 के लोकसभा चुनावों से ठीक पहले, उन्होंने एक और यू-टर्न लिया, एनडीए में वापस शामिल हो गए और विपक्ष को निराशाजनक और भ्रष्ट करार दिया।

इस चुनाव में, भाजपा के पारंपरिक रूप से वफ़ादार सवर्ण समर्थक-जो नीतीश के बार-बार बदलते रुख़ के लंबे समय से आलोचक रहे हैं-भी उनके प्रभुत्व को कम से कम कुछ और सालों तक बरकरार रखने के लिए तैयार दिख रहे हैं। पटना ज़िले के बख्तियारपुर के राजपूत शेखर सिंह कहते हैं, बिहार भाजपा में फ़िलहाल ऐसा कोई नेता नहीं है जो नीतीश के कद की बराबरी कर सके। उनका कद भले ही कम हो गया हो, लेकिन उन्हें बाहर होने में अभी कुछ समय लगेगा।

ऐतिहासिक विजय : भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रचा विश्व कप का नया इतिहास

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज का दिन भारतीय खेल इतिहास के स्वर्णाक्षरों में सदैव अंकित रहेगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर वर्ष 2025 का क्रिकेट विश्व कप जीत लिया है। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उस अदम्य जज्बे, संकल्प और संघर्ष का प्रतीक है जिसने वर्षों से भारतीय बेटियों को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। यह क्षण हर भारतीय के लिए गर्व, उत्साह और प्रेरणा का है-क्योंकि यह सिर्फ़ मैदान की जीत नहीं, बल्कि मानसिकता की भी जीत है।

भारतीय महिला क्रिकेट का यह गौरवशाली अध्याय उस लंबे सफर का परिणाम है, जो संघर्ष, सीमित संसाधनों और सामाजिक बाधाओं के बीच शुरू हुआ था। एक समय ऐसा भी था जब महिला क्रिकेट को गम्भीरता से नहीं लिया जाता था, न दर्शक होते थे, न प्रायोजक। लेकिन समय बदला, और इन बेटियों ने अपने खेल, समर्पण और प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को दिखा दिया कि खेल का मैदान किसी एक लिंग की बपौती नहीं है।

आज जब भारत विश्व कप जीतकर विश्व का सिरमौर बना है, तो यह जीत हर उस बेटी की आवाज़ है जिसने अपने सपनों को समाज की बंदिशों से ऊपर रखा।

विश्व कप के इस रोमांचक फाइनल में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 50 ओवर में 298 रन बनाए। पारी की शुरुआत शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने की। स्मृति ने संयमित लेकिन महत्वपूर्ण 45 रन बनाकर टीम को मजबूत आधार दिया, जबकि शेफाली वर्मा ने आक्रामक शैली में खेलते हुए 78 गेंदों में 87 रन ठोके। उनकी पारी में चौके-छक्कों की झड़ी लगी रही।

कप्तान हरमनप्रीत कौर इस बार जल्दी आउट हो गईं, लेकिन युवा बल्लेबाज़ ऋचा घोष ने 34 रनों की अहम पारी खेली और टीम को एक बार फिर स्थिरता दी। मिडिल ऑर्डर में दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम को लगभग 300 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुँचाया।

दक्षिण अफ्रीका की टीम जब लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो शुरुआती ओवरों में उसने तेज़ शुरुआत की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने जल्द ही अपनी पकड़ बना ली। रेणुका ठाकुर और दीप्ति शर्मा ने सटीक लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करते हुए विरोधी बल्लेबाजों को बांधे रखा। शेफाली वर्मा ने गेंदबाजी में भी शानदार प्रदर्शन किया-उन्होंने 7 ओवर में मात्र 36 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए।

उनका हरफनमौला प्रदर्शन भारतीय जीत की रीढ़ साबित हुआ। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, दक्षिण अफ्रीका पर दबाव बढ़ता गया और अंततः भारतीय टीम ने जीत के साथ इतिहास रच दिया। शेफाली वर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए "प्लेयर ऑफ द मैच" चुना गया, जबकि पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दीप्ति शर्मा को "प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट" का सम्मान मिला।

यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है। कभी जिन बेटियों को कहा जाता था कि "खेल लड़कियों का काम नहीं", वही आज विश्व चैंपियन बनी खड़ी हैं। इस जीत ने समाज को यह संदेश दिया है कि अगर अवसर मिले तो भारतीय महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं। आज ये खिलाड़ी सिर्फ़ खेल नहीं रही हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नया राश्ता तैयार कर रही हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यह गौरवशाली प्रदर्शन वर्षों के परिश्रम का परिणाम है। महिला आईपीएल (डब्लूपीएल) ने खिलाड़ियों को मंच और आत्मविश्वास दोनों दिया। छोटे शहरों और कस्बों से आने वाली खिलाड़ी जैसे कि प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, स्नेह राणा, राधा यादव और रेणुका ठाकुर ने दिखा दिया कि प्रतिभा किसी भौगोलिक सीमा की मोहताज नहीं होती। इन खिलाड़ियों ने न केवल मैदान में बल्कि देश के हर घर में प्रेरणा की नई कहानी लिख दी है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और खेल मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट को लेकर जो नीतिगत बदलाव किए हैं, वे इस सफलता की बुनियाद बने। समान वेतन नीति ने खिलाड़ियों को आत्म-सम्मान दिया, जबकि बेहतर कोचिंग सुविधाएँ और घरेलू टूर्नामेंट्स ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया। यह देखना सुखद है कि अब महिला क्रिकेट को भी वही सम्मान और प्रसारण मिल रहा है जो पुरुष टीम को मिलता है। यह जीत इस दिशा में एक और सशक्त कदम है।

आज इस विजय के साथ भारत के सामने नई जिम्मेदारी भी आई है। अब यह सुनिश्चित करना होगा कि यह उत्साह और समर्थन केवल कुछ दिनों तक सीमित न रहे। ज़रूरत है कि स्कूल श्तर से लेकर विश्वविद्यालय तक खेलों को शिक्षा का हिस्सा बनाया जाए, ताकि अधिक से अधिक लड़कियाँ खेलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित हों। खेल मंत्रालय और राज्य सरकारों को ग्रामीण इलाकों में खेल प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या बढ़ानी चाहिए, जहाँ संसाधन और प्रशिक्षक दोनों उपलब्ध हों।

मीडिया की भी बड़ी भूमिका है। महिला क्रिकेट को निरंतर प्रमुखता देना, खिलाड़ियों की कहानियों को सामने लाना, और समाज में इस भावना को मजबूत करना कि यह केवल खेल नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का माध्यम है-यही अब आने वाले समय की सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की इस जीत के पीछे अनेक अनकही कहानियाँ हैं-वह माँ जो अपनी बेटी के लिए समाज की परवाह किए बिना बैट खरीदती है, वह पिता जो खेत बेचकर क्रिकेट किट दिलाता है, वह कोच जो बिना वेतन के खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करता है, और वे साथी खिलाड़ी जो रिज़र्व में रहकर भी हर समय टीम के साथ खड़ी रहती हैं। यह जीत केवल मैदान पर खेलने वाली 11 खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि उन हज़ारों सपनों की जीत है जो वर्षों से इस क्षण की प्रतीक्षा कर रहे थे।

भारत की विजेता महिला क्रिकेट टीम में हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरनी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ शामिल थीं। रिज़र्व खिलाड़ियों में तेजल हसबनिस, प्रेमा रावत, प्रिया मिश्रा, मिन्नू मणि और सयाली सतघरे थीं, जिनका योगदान भी कम नहीं था। वे भले ही मैदान पर नहीं उतरीं, लेकिन टीम की तैयारी और एकता में उनकी भूमिका अहम रही।

इस विश्व कप ने भारतीय महिला क्रिकेट को विश्व पटल पर स्थायी पहचान दिलाई है। यह अब किसी एक पीढ़ी की उपलब्धि नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन है। भारत की बेटियाँ अब विश्व की नई मिसाल हैं-वे केवल खिलाड़ियों के रूप में नहीं, बल्कि उस शक्ति के प्रतीक हैं जो हार को भी प्रेरणा में बदल देती है।

आज जब पूरी दुनिया भारतीय टीम की इस उपलब्धि को सलाम कर रही है, तब यह पल हमें यह सोचने पर भी मजबूर करता है कि असली जीत तब होगी जब हर गाँव, हर स्कूल में कोई न कोई बेटी बैट थामकर मैदान में उतरे और यह कहे-"मैं भी भारत की तरह जीतना चाहती हूँ।"

इस ऐतिहासिक जीत ने यह सिद्ध कर दिया है कि "जहाँ इच्छा, वहाँ राह" कोई कहावत मात्र नहीं, बल्कि भारत की बेटियों की हकीकत है। यह जीत केवल 11 खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि पूरे भारत की जीत है-उन परिवारों की जिन्होंने अपनी बेटियों को सपने देखने की आज़ादी दी; उन कोचों की जिन्होंने सीमित संसाधनों में भी प्रतिभा को निखारा; और उन दर्शकों की जिन्होंने हर गेंद पर टीम का हौसला बढ़ाया।

2025 का यह वर्ष भारतीय खेलों के लिए वर्ष के रूप में दर्ज होगा। भारत की बेटियाँ अब सिर्फ़ इतिहास नहीं, भविष्य लिख रही हैं। उनकी यह विजय हर भारतीय के दिल में गर्व, प्रेरणा और उम्मीद की लौ जगा रही है।

चुनाव की निष्पक्षता के प्रहरी है पत्रकार

विनीत नारायण

मीडिया को यह भी देखना चाहिए कि क्या चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी है? क्या प्रशासन और चुनाव आयोग निष्पक्ष हैं? क्या मतदाता को स्वतंत्र रूप से वोट डालने का अवसर मिल रहा है? यदि पत्रकार यह निगरानी न करें, तो सत्ता और धनबल का उपयोग करके जनमत को गुमराह करने की आशंका बढ़ जाती है। निर्णायक समय में मीडिया की भूमिका केवल सूचना देने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह एक प्रहरी यानी 'वॉचडॉग' की भूमिका निभाता है।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी जनता है और इस जनता की आवाज़ बनने का दायित्व पत्रकारों पर है। चुनाव वह समय होता है जब यह शक्ति सबसे अधिक सक्रिय होती है, जब जनता अपने मत से आने वाले पाँच वर्षों की दिशा तय करती है। ऐसे निर्णायक समय में मीडिया की भूमिका केवल सूचना देने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह एक प्रहरी यानी 'वॉचडॉग' की भूमिका निभाता है।

दुर्भाग्य से, आज के परिदृश्य में कई बार यह प्रहरी सार्वजनिक हित का रक्षक बनने के बजाय सत्ता या किसी दल का प्रचारक बनता दिखता है। यही वह विमर्श है जिस पर विचार होना चाहिए, कि पत्रकारों और एंकरों को क्यों और कैसे अपनी मूल भूमिका निभानी चाहिए, न कि पीआर (पब्लिक रिलेशन) पेशेवर बन जाना चाहिए।

पत्रकारिता का मूल उद्देश्य हमेशा सत्य का अन्वेषण रहा है। पत्रकार न तो किसी नेता के समर्थक होते हैं, न विरोधी, वे केवल जनता के प्रतिनिधि हैं। महात्मा गांधी ने कहा था कि प्रेस का काम जनता को सरकार की भूलों से सतर्क करना है, सरकार का मुखपत्र बनना नहीं। जब चुनाव आते हैं, तो यही भूमिका और भी संवेदनशील हो जाती है क्योंकि इस समय जनता को सूचित निर्णय लेने के लिए निष्पक्ष जानकारी चाहिए होती है।

यदि मीडिया इस समय भ्रम फैलाए या किसी पक्ष के प्रचार का माध्यम बने, तो लोकतंत्र की आत्मा को आघात पहुँचता है।

पत्रकारिता एक सार्वजनिक सेवा है, जबकि पीआर एक निजी हित का कारोबार। दोनों के स्वरूप में मूलभूत अंतर है। जहाँ पत्रकारिता का उद्देश्य सत्य और पारदर्शिता है, वहीं पीआर का उद्देश्य छवि निर्माण होता है, और वह भी किसी व्यक्ति या संगठन के हित में। जब कोई पत्रकार या एंकर अपने मंच का उपयोग किसी नेता की छवि चमकाने या विरोधी को बदनाम करने के लिए करता है, तो वह पत्रकार नहीं, पीआर एजेंट बन जाता है। यह स्थिति न केवल उसकी पेशेवर आचारसंहिता का उल्लंघन करती है, बल्कि जनता के साथ विश्वासघात भी है।

चुनाव कवरेज अक्सर टीआरपी की होड़ में सनसनीखेज रूप ले लेता है। लेकिन वाश्तविक पत्रकारिता की परीक्षा इसी समय होती है जब दबाव हो, आकर्षण हो और फिर भी कोई पत्रकार निष्पक्ष रह पाए। पत्रकारों को चाहिए कि वे चुनावी खबरों में तथ्यों की पुष्टि करें, उम्मीदवारों के वादों की जांच करें और जनता से जुड़े मुद्दों को केंद्र में रखें, न कि केवल रैलियों की भीड़ या विवादों की गहमागहमी को।

एंकरों के लिए भी यह समय आत्म-संयम का होता है। उनसे अपेक्षा है कि वे मंच पर दोनों पक्षों को बराबर अवसर दें, तर्क पर तर्क से जवाब लें और चुनावी बहस को 'शोर' नहीं बल्कि 'संवाद' में बदलें। पत्रकारों व एंकरों का उद्देश्य दर्शकों को किसी दल की मनोवैज्ञानिक दिशा में मोड़ना नहीं, बल्कि उन्हें सोचने के लिए प्रेरित करना होना चाहिए।

लोकतंत्र में पत्रकार सत्ता का संतुलन बनाए रखने वाले चौथे श्तंभ का प्रतिनिधि है। चुनाव काल में जब राजनीतिक दल वादों की बाढ़ लाते हैं, तब मीडिया का दायित्व है कि वह इन वादों की जांच करे। कौन से वादे व्यवहारिक हैं, कौन से केवल भाषणों की सजावट। इसके अलावा, मीडिया को यह भी देखना चाहिए कि क्या चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी है? क्या प्रशासन और चुनाव आयोग निष्पक्ष हैं? क्या मतदाता को स्वतंत्र रूप से वोट डालने का अवसर मिल रहा है? यदि पत्रकार यह निगरानी न करें, तो सत्ता और धनबल का उपयोग करके जनमत को गुमराह करने की आशंका बढ़ जाती है।

ऐसे में पत्रकार ही वह दीवार है जो जनतंत्र को 'विज्ञापनतंत्र' बनने से बचा सकती है। सच्चा पत्रकार अपनी राय ज़रूर रख सकता है, लेकिन उसे तथ्यों की सत्यता से कभी समझौता नहीं करना चाहिए। उसे चाहिए कि वह हर रिपोर्ट में स्रोत स्पष्ट करे, हर दावा परखे और किसी भी राजनीतिक संदेश को प्रसारित करने से पहले उसकी विश्वसनीयता सुनिश्चित करे। पत्रकारिता में 'निष्पक्षता' का अर्थ यह नहीं कि सबकी बात एक समान मानी जाए, बल्कि यह कि सच्चाई के प्रति वफ़ादारी रखी जाए, चाहे वह सत्ता के खिलाफ़ हो या विपक्ष के।

एंकरों को भी समझना होगा कि उनका मंच और चैनल एक भरोसे का प्रतीक है। यदि वे उसी मंच से किसी विशेष पार्टी के प्रवक्ता बन जाएँ, तो वह भरोसा टूट जाता है। ट्रोल्स के प्रभाव, कॉर्पोरेट दबाव और राजनीतिक समीकरणों के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन अवश्य है, पर यही कठिनाई पत्रकारिता को सम्मान दिलाती है।

आज के युग में सोशल मीडिया ने सूचना का लोकतंत्रीकरण किया है, लेकिन अफवाहों और आधी सच्चाईयों के प्रसार का खतरा भी बढ़ा है। इस वातावरण में टीवी और प्रिंट मीडिया के पत्रकारों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्हें चाहिए कि वे त्वरित सुर्खियों से आगे बढ़कर पड़ताल करें, डेटा और दश्तावेज़ों पर आधारित रिपोर्ट तैयार करें और जनता को यह सिखाएँ कि सच्ची खबर कैसे पहचानी जाए। यदि पत्रकार भी सिर्फ़ ट्रेंड या वायरल वीडियो के पीछे भागने लगे, तो वह समाज को जागरूक नहीं बल्कि भ्रमित करेगा।

आज चुनाव के मौसम में पत्रकारों को आत्ममंथन की ज़रूरत है। क्या वे अपनी रिपोर्टों से जनता को सशक्त बना रहे हैं या किसी राजनीतिक पार्टी या कॉर्पोरेट घराने के एजेंडे को मज़बूत कर रहे हैं? क्या उनके सवाल जनता के प्रश्न हैं या टीआरपी के लिए रचे गए नाटक? लोकतंत्र तभी सुरक्षित रहेगा जब पत्रकार अपने पेशे की आत्मा को जिंदा रखेंगे। जब वे सत्ता से नहीं, बल्कि जनता से डरेंगे। 'वॉचडॉग' बनने का अर्थ है सत्ता पर निगाह रखना, अन्याय पर सवाल करना और जनता के अधिकारों की रक्षा करना। चुनाव चाहे लोकसभा का हो या नगरपालिका का, मीडिया का धर्म एक ही है: सच दिखाना, पूरी ईमानदारी से, चाहे किसी को असुविधा ही क्यों न हो।

पत्रकारिता केवल करियर नहीं, बल्कि लोकसेवा का माध्यम है। यदि पत्रकार और एंकर इस आत्मा को पहचान लें और चुनावी मौसम में पीआर के प्रभाव से ऊपर उठकर तटस्थ प्रहरी बनें, तो लोकतंत्र की नींव और अधिक मजबूत होगी। जनमत जागरूक होगा, सत्ता जवाबदेह बनेगी और भारत की लोकतांत्रिक परंपरा सच्चे अर्थों में

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल**: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

12 किमी की परिधि में बनेगें बोर्ड परीक्षा केन्द्र

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। जिले में इस बार परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। पिछली बार हाईस्कूल के 50943 और इंटरमीडिएट के 53329 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। बोर्ड ने 138 परीक्षा केंद्र बनाए थे, लेकिन विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इस बार केंद्रों की संख्या में इजाफा संभव है। यूपी बोर्ड के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं के लिए अलीगढ़ में केंद्रों के निर्धारण की तैयारी शुरू हो गई है। तीन दिसंबर तक केंद्रों के निर्धारण पर मुहर लगेगी।बोर्ड ने शिक्षाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 12 किमी की परिधि के भीतर ही परीक्षा केंद्र बनाए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को परीक्षा स्थल तक पहुंचने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। जिन विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया जा रहा है, वहां पर सीसीटीवी कैमरे, फर्नीचर, शौचालय, पेयजल की व्यवस्था, विद्यालय तक आवागमन की सुविधा का जायजा लिया जाएगा। जिला और तहसील श्तरीय समिति विद्यालय जाएंगी। जिला विद्यालय निरीक्षक ड़ॉ पूरन सिंह का कहना है कि परीक्षा केंद्रों का निर्धारण करके उसकी सूची बोर्ड को भेजी जाएगी। बोर्ड को केंद्रों के बाबत अंतिम निर्णय लेना है।

एसएसपी ने किया मूक बधिर टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। एसएसपी द्वारा थाना मडराक स्थित इडैन पार्क क्रिकेट ग्राउंड में टी20 क्रिकेट मूक बधिर क्रिकेट फेडरेशन कप का शुभारंभ किया गया । युवाओं के लिए आयोजित टूर्नामेंट प्रतियोगिता में 04 राज्य गुजरात, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं राजस्थान की टीमों के द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है । विभिन्न राज्यों से आए मूक बधिर प्रतिभागियों ने जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लिया । महोदय द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी टीमों को शुभकामनाएँ देते हुए युवाओं को खेल भावना बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान एसीएम द्वितीय दिग्विजय सिंह व अन्य सभी संबंधित मौजूद रहे ।

आईजी बरेली का होगा घेराव, गूंजे जय जननी, जय भारती, जय भवानी के नारे

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। राष्ट्रीय सवर्ण परिषद हरिगढ़ टीम की आचार्य भरत तिवारी के नेतृत्व में एक बैठक हुई। बैठक का मुख्य उदेश्य देश में सवर्णों पर हो रहे अत्याचार और उनके निवारण की रणनीति को लेकर हुआ साथ ही हाल ही में पीलीभीत में हुए ब्राह्मण कांड जिसमें प्रशासन द्वारा एक पक्ष पर ब्राह्मण सवर्ण होने की बजह से एकतरफा कार्यवाही की गयी जबकि पीड़ति खुद ब्राह्मण था और प्रशासन ने कार्यवाही भी उसी पर की। इसी कारण पूरे सवर्ण समाज में आक्रोश है और इस मुददे पर राष्ट्रीय सवर्ण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज धवररैया द्वारा आईजी कार्यालय बरेली के घेराव की घोषणा की गई। बैठक में मुख्य रूप से आईजी बरेली को लेकर बैठक हुई ओर निर्णय लिया गया कि 7 नवंबर को राष्ट्रीय सवर्ण परिषद पूरे सवर्ण समाज के साथ आईजी बरेली का घेराव करेगी। आचार्य भरत तिवारी ने कहा हम सनातन सवर्ण हित के लिए वचनवद्ध है ओर किसी भी हाल में पीड़ति के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। जब तक पीड़ति को न्याय नहीं मिल जाता हम लड़ते रहेंगे। सवर्ण सनातन पीड़ति का हित हमारे लिए सर्वोपरि। इस मौके पर आचार्य भरत तिवारी, ब्रजमोहन उपाध्याय, पवन ठाकुर, बांके बिहारी वार्ष्णेय, विकाश शर्मा, पियूष गौतम, मनीष वार्ष्णेय मौजूद रहे।

खाद्यान्न उठान में लापरवाही पर डीएम सख्त, शत-प्रतिशत करें उठान

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में खाद्यान्न उठान व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में डीएम ने जिले में खाद्यान्न उठान की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी व्यक्त की और सभी परिवहन ठेकेदारों को 8 नवम्बर तक शत-प्रतिशत उठान सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। जिला पूर्ति अधिकारी एवं जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में जिले में 6 फर्मों द्वारा खाद्यान्न परिवहन कार्य किया जा रहा है, किंतु अक्टूबर माह में मात्र 56.79 प्रतिशत खाद्यान्न उठान ही संभव हो सका है, जो कि अत्यंत चिंताजनक है। डीएम ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि खाद्यान्न वितरण जैसी जनहितकारी व्यवस्था में किसी भी श्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी ट्रांसपोर्टरों को निर्देशित किया कि आवश्यकतानुसार वाहनों की संख्या बढ़ाई जाए और मानव शक्ति का अधिकतम उपयोग कर उठान समयबद्ध पूरा किया जाए। डीएम ने चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा पाई गई तो ठेकेदारों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी माह से हर फर्म यह सुनिश्चित करे कि मासांत तक पूर्ण उठान कर लिया जाए, ताकि खाद्यान्न वितरण प्रणाली सुचारु एवं पारदर्शी बनी रहे।

ठंड के साथ कोहरा देगा प्रदेश में दस्तक

घटेगा रात का तापमान, मौसम विभाग ने जारी किया पूर्वानुमान

लखनऊ , एजेंसी। यूपी में मौसम अब बदल गया है। दिन में तीखी धूप का असर कम हुआ है तो वहीं रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश में मोंथा तूफान का असर छंटने के बाद मौसम में अचानक बदलाव नजर आया है। ज्यादातर जगहों पर दिन में गुनगुनी धूप होने और रात में हल्का पारा गिरने से मौसम अब सुहाना होने लगा है। मौसम विभाग का कहना है कि सोमवर से पूर्वी यूपी और तराई इलाकों में सुबह के वक्त धुंध और कोहरे का असर देखने को मिलेगा। वहीं अगले कुछ दिनों तक रात के पारे में हल्की गिरावट जारी रहेगी। हालांकि दिन के तापमान में कोई खास बदलाव के आसार नहीं हैं।

गुनगुनी धूप के साथ अब रातें होंगी ठंडी, बढ़ेगा कोहरा

राजधानी में मोंथा तूफान का असर छंटने के बाद दिन के तापमान में उछाल देखने को मिला है। वहीं, रात को पारे में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है। रविवार की सुबह कई इलाकों में हल्का कोहरा देखने को मिला। दिन में गुनगुनी धूप के बाद भी माहौल में हल्की ठंड का असर जारी रहा। सुबह शाम लोगों को हल्के गर्म कपड़ों की जरूरत महसूस हुई।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार को लखनऊ में सुबह कोहरा और हल्की धुंध देखने को मिल सकती है। वहीं, अगले दो दिन तक रात के न्यूनतम तापमान में गिरावट आने के संकेत हैं। रविवार को अधिकतम तापमान 0.6 डिग्री की बढ़त के साथ 30.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री की गिरावट के साथ 20.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

हिमांचल और उत्तराखंड में बर्फबारी के संकेत

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि चार नवंबर यानी मंगलवार से यूपी के मौसम में एक नए बदलाव के संकेत हैं। एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिसके असर से प्रदेश के तराई व अन्य इलाकों में बदली छाने के संकेत हैं। हालांकि बारिश की संभावना न के बराबर है। विक्षोभ के असर से हिमांचल, उत्तराखंड आदि में बर्फबारी के संकेत हैं।इस बदलाव का असर यह होगा कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से दो दिनों के लिए प्रदेश में बादल छाने के साथ ही तापमान में उतार चढ़ाव दर्ज किया जाएगा।

खाकी पर दाग: दुष्कर्म के मामले में लीपापोती का आरोप, पीड़िता के बयान के बाद हुआ खुलासा, एसपी ने बैठाई जांच

गाजीपुर , एजेंसी। गाजीपुर जिले में करीब पांच माह पूर्व एक युवती से दुष्कर्म के मामले में लीपापोती और तहरीर बदलवाकर छेड़खानी का मुकदमा दर्ज करने का मामला अब पुलिस विभाग में हलचल का कारण बन गया है। मजिस्ट्रेट के समक्ष पीड़िता के बयान के बाद पूरा प्रकरण उजागर हुआ, जिसके बाद पुलिस ने दुष्कर्म की धारा जोड़कर आरोपी को जेल भेजा।

ये है पूरा मामला: घटना सामने आने के बाद एसपी डॉ. ईरज राजा ने पूरे मामले में विभागीय जांच बैठा दी है। बताया जा रहा है कि जांच की आंच तत्कालीन कोतवाल, विवेचक और अन्य पुलिसकर्मियों तक पहुंच सकती है। फिलहाल, जांच रिपोर्ट के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी। इस पूरे प्रकरण में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला मंत्री मन्नू बिंद का नाम भी सामने आया है।

पुलिस के अनुसार, उन पर रंगदारी वसूलने और धमकी देने का मुकदमा दर्ज है। आरोप है कि दुष्कर्म आरोपी को बचाने के लिए तहरीर बदलवाने और मामले में समझौते के नाम पर धन लेने की भूमिका निभाई गई थी।जानकारी के अनुसार, बीते 2 जून को थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर एक युवक पर उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाया था।

आरोप है कि इसके बाद दबाव में आकर पुलिस ने तहरीर बदलवाकर 3 जून को छेड़खानी का मुकदमा दर्ज किया, जबकि आरोपी को शांति भंग में चालान कर मामले की इतिश्री कर दी गई। बाद में पीड़िता के मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान में दुष्कर्म की पुष्टि होने पर पुलिस ने पांच माह बाद धाराएं बढ़ाकर बीते 30 अक्टूबर को आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

इस दौरान आरोप लगे कि भाजपा नेता ने मामले में मध्यस्थता कर एक लाख रुपये लिए थे। बाद में जब मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आया तो भाजपा नेता मन्नू बिंद के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

अचानक पहुंचे नगर आयुक्त वृंदावन के टैक्स ऑफिस, कर वसूली में ढिलाई तो मिलेगा दंड

✷ एनसीआर टुडे. मथुरा ✷

सोमवार को वृन्दावन जोन स्थित कर विभाग का नगर आयुक्त जग प्रवेश ने औचक निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने नगर के अनावासीय भवनों के विवरण से सम्बन्धित रजिस्टर, जी.आई.एस. सर्वे के आधार पर जारी मांग बिलों पर भवन स्वामियों द्वारा प्राप्त आपत्तियों के निश्तारण सम्बन्धी रजिस्टर, विद्युत विभाग से प्राप्त कनेक्शन विवरण के अनुसार अनावासीय भवनों के चिन्हांकन सम्बन्धी अभिलेखों सहित कर विभाग से सम्बन्धित अन्य पत्रावलियों एवं विभागीय कार्यों का विश्तृत अवलोकन किया।

नगर आयुक्त को ऑफिस में यकायक देख कर्मचारी हड़बड़ा गए। संपूर्ण अभिलेखों के निरीक्षण उपरांत नगर आयुक्त ने विभागीय कार्यों पर संतोष व्यक्त किया तथा कर वसूली एवं अभिलेख संधारण में और अधिक सुधार लाने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सम्पत्तिकर की वसूली निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप की जाए एवं बकायेदार भवन स्वामियों के विरुद्ध चरणबद्ध एवं नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ताकि राजस्व वसूली में निरंतर प्रगति बनी रहे।

नगर आयुक्त ने विशेष रूप से यह भी निर्देश दिए कि सभी अभिलेखों को नियमावली के अनुरूप संरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संधारित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अभिलेखों की बाइंडिंग कराकर उन्हें सुरक्षित रखा जाए जिससे विभागीय रिकॉर्ड की सटीकता, पारदर्शिता एवं दीर्घकालिक संरक्षण सुनिश्चित हो सके।

निरीक्षण के दौरान सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक कर निर्धारण अधिकारी अरविन्द्र यादव एवं कर अधीक्षक हरिकृष्ण प्रसाद गुप्ता उपस्थित रहे।

जनता दर्शन: एक-एक फरियादी से मिले सीएम योगी

अफसरों को दिए निर्देश- समय सुलझाने के बाद फीडबैक लें

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवम्बर माह के पहले सोमवार को भी जनता दर्शन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कई जनपदों से आये एक-एक पीड़ितों के पास पहुंचकर उनकी समस्या सुनी, फिर अफसरों को निर्देश दिया कि निश्चित समयावधि में उचित निस्तारण कराएं और पीड़ितों से फीडबैक लें। इस दौरान लगभग 60 से अधिक पीड़ितों ने एक-एक कर अपनी समस्या से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। फरियादियों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान के लिए संकल्पित है।

पुलिस से जुड़े मामलों पर मुख्यमंत्री ने कहा- पीड़ितों की संतुष्टि आवश्यक : जनता दर्शन के दौरान कई पीड़ितों ने पुलिस कार्रवाई पर असंतोष जताया। पीड़ितों ने चोरी की घटना के अनावरण के बाद भी रिकवरी न होने पर असन्तुष्टि जताई। साथ ही जमीन कब्जे की भी शिकायत मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई। इस पर मुख्यमंत्री ने इसकी जांच कर तत्काल कब्जा हटवाने के निर्देश दिए।

आप सिर्फ एस्टिमेट भिजवाइये और मरीज का ध्यान रखिये : एक पीड़ित ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सिर्फ अस्पताल से एस्टिमेट बनवाकर भिजवाइये और अपने मरीज का ध्यान रखिये। बाकी हम पर छोड़ दीजिए। धन के अभाव में किसी पीड़ित का इलाज नहीं रुकेगा। सरकार हर जरूरतमंद के इलाज के लिए पहले दिन से ही खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने नन्हे-मुन्नों को दी चॉकलेट : मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में फरियादियों के साथ आए बच्चों का हालचाल जाना। नन्हे-मुन्नों के सिर पर हाथ फेर दुलार किया और अपनत्व का अहसास कराया। सीएम योगी ने सभी बच्चों को चॉकलेट दी। उन्होंने बच्चों से कहा कि खूब पढ़ो-जमकर खेलो और माता-पिता का नाम रोशन करो।

कार्तिक पूर्णिमा: दोपहर से अयोध्या में बंद हो जाएगा भारी वाहनों का प्रवेश, कई लाख करेंगे स्नान

अयोध्या , एजेंसी। कार्तिक पूर्णिमा (पांच नवंबर) स्नान के कारण रामनगरी में चार नवंबर दोपहर 12 बजे से यातायात डायवर्जन लागू हो जाएगा, जो पांच नवंबर की रात भीड़ के खत्म होने तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान बड़े वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। गोंडा की ओर से पुराना सरयू पुल होकर लता मंगेशकर चौक आने वाले सभी वाहनों को लोलपुर बाईपास होकर भेजा जाएगा।

साकेत पेट्रोल पंप बैरियर से नया घाट व लता मंगेशकर चौक की ओर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। साकेत पुल, बालूघाट मल्टीलेवल, सूर्या पैलेस, और बैकुंठ धाम के पास पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। हनुमानगुफा चौराहा से नयाघाट की ओर वाहनों का प्रवेश नहीं होगा। सभी वाहन फटिकशिला आश्रम व हनुमानगुफा चौराहा के पास पार्किंग में खड़े किए जाएंगे।रामघाट चौराहा और तपस्वी छावनी से रामपथ की ओर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। दीनबंधु नेत्र चिकित्सालय बैरियर से छोटी छावनी से रामपथ की ओर आने वाले सभी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे और इन्हें काशीराम कॉलोनी परिक्रमा मार्ग से निकाला जाएगा। विद्याकुंड बैरियर से जैन मंदिर की ओर से रामपथ पर जाने वाले वाहन बंद रहेंगे।उदया चौराहा से टेढ़ीबाजार की ओर चार पहिया वाहन नहीं जा सकेंगे।

वाहनों को उदया फ्लाईओवर से निकाला जाएगा और गैस गोदाम तिराहा के पास उदया पार्किंग में खड़ा किया जाएगा। रानोपाली तिराहा से टेढ़ी बाजार की ओर दोपहिया वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। ऐसे वाहन रानोपाली क्रॉसिंग से लंगड़वीर चौराहा होकर जाएंगे। टेढ़ी बाजार चौराहा से श्रीराम अस्पताल की ओर वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। वाहन लंगड़वीर फ्लाईओवर होकर जाएंगे। चूड़ामणि चौराहा से टेढ़ी बाजार की ओर जाने वाले वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। वाहन आसिफबाग और गैस गोदाम होकर जाएंगे। गैस गोदाम से काशीराम कॉलोनी, चक्रतीर्थ व राजघाट की ओर वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। वाहनों को उदया फ्लाईओवर से निकाला जाएगा।

यूपी बोर्ड की केंद्र निर्धारण नीति को शासन ने भी दी मंजूरी, सॉफ्टवेयर पर आधारित होगी प्रक्रिया

प्रयागराज , एजेंसी। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के लिए केंद्र निर्धारण की नीति शासन की ओर से जारी कर दी गई है। इस बार केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया सॉफ्टवेयर आधारित होगी। गलत जानकारी दर्ज होने पर अगर कोई विद्यालय परीक्षा केंद्र बन जाता है और जनपदीय केंद्र निर्धारण समिति की जांच में मामला सामने आता है तो केंद्र को निरस्त कर दिया जाएगा। साथ ही संबंधित के खिलाफ अनुचित साधनों का निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि इस प्रावधान के तहत तीन वर्ष से लेकर आजीवन कारावास और दस लाख से एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अलावा दोषी संस्था को तीन वर्ष के लिए डिबार भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि रिमोट सेंसिंग से परीक्षण के दौरान जिन विद्यालयों की जियो लोकेशन गलत पाई जाएगी, उनकी सूची संबंधित जिले के डीआईओएस को भेजी जाएगी।

इसके सत्यापन के लिए एपीआई युक्त मोबाइल एप विकसित किया गया है जिसे प्रधानाचार्य डाउनलोड कर विद्यालय की लोकेशन और फोटो अपलोड कर सकेंगे। इसके अलावा 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांग छात्रों को उनके विद्यालय में ही परीक्षा देने की सुविधा दी जाएगी। यदि ऐसा संभव नहीं है तो उन्हें सात किलोमीटर के भीतर के परीक्षा केंद्रों में समायोजित किया जाएगा।

अन्नपूर्णा और टीएफसी की व्यवस्थाओं का ब्रज तीर्थ विकास परिषद सीईओ ने किया निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. मथुरा ✷

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के नवागत मुख्य कार्यपालक अधिकारी आई ए एस सूरज पटेल ने सोमवार को वृंदावन स्थित पर्यटक सुविधा केंद्र और अन्नपूर्णा भवन का निरीक्षण किया। दोनों ही स्थलों पर सीईओ ने व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया और श्रद्धालुओं से भी उनके अनुभव पूछे।

सोमवार को वृंदावन में मुख्य कार्यपालक अधिकारी सूरज पटेल ने सर्व प्रथम पर्यटक सुविधा केंद्र (टीएफसी) का निरीक्षण किया। यहाँ की डॉर्मेट्री, हॉल, मीटिंग हॉल, किचिन, शौचालय, स्टोर रूम आदि का निरीक्षण किया।

टीएफसी में ठहरे श्रद्धालुओं से बातचीत की। यहाँ की सुविधाओं के बारे में पूछा। टीएफसी का संचालन

देख रहे कुलदीप दीक्षित को विभिन्न व्यवस्थाओं में सुधार करने के निर्देश दिए। इसके बाद सीईओ सूरज पटेल ने वृंदावन में ही अन्नपूर्णा भवन को भी देखा। यहाँ की किचिन और भोजन तैयार करने वाली मशीन को देखा। सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया।

अन्नपूर्णा भवन परिसर में वृक्ष के चारों ओर लगे जाल पर वृक्ष का नाम और उससे उत्पन्न होने वाली अक्सीजन सहित अन्य जानकारी अंकित करने के निर्देश दिए। आधार कार्ड के बगैर भी यहाँ आने वालों को श्रद्धालुओं को भोजन कराने के लिए कहा। व्यवस्था में सुधार के लिए कुछ आवश्यक सुझाव भी दिए।

घर में बने सेप्टिक टैंक की जहरीली गैस की चपेट में आने से दो भाइयों की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जिले के एक घर में बने सेप्टिक टैंक की जहरीली गैस की चपेट में आने से सोमवार को दो भाइयों की मौत हो गई जबकि एक अन्य शख्स बीमार पड़ गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के चोटपुर कॉलोनी में हुई है जहां एक घर में बने सेप्टिक टैंक के ऊपर रखा पत्थर का ढक्कन टूटने से चंद्रभान (40) उसमें जा गिरा और उसे बचाने लिए राजू भी टैंक में कूद गया और दोनों बेहोश हो गए।

पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि उनका पड़ोसी हेमंत सिंह उन्हें बचाने के लिए टैंक में घुसने लगा तो वह भी जहरीली गैस की चपेट में आ गया और आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया।

छरौरा क्षेत्र में नगर आयुक्त को सड़क पर मिला अतिक्रमण, तोड़ने के आदेश

निरीक्षण के दौरान वार्ड की समग्र साफ-सफाई व्यवस्था, पैच वर्क एवं मार्गों की स्थिति का लिया जायजा

✷ एनसीआर टुडे. मथुरा ✷

नगर निगम अंतर्गत वार्ड संख्या 25 छरौरा क्षेत्र का नगर आयुक्त जग प्रवेश ने सोमवार को स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अतिक्रमण के कारण राश्ते सकरे मिले। इस पर अवर अभियंता सिविल को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए।

सोमवार को नगर आयुक्त जग प्रवेश द्वारा वृंदावन के वार्ड संख्या 25, छरौरा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वार्ड की समग्र साफ-सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण पैच वर्क एवं मार्गों की स्थिति का विश्तारपूर्वक अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कुछ स्थानों पर मार्ग पर अतिक्रमण किया गया है जहाँ अतिक्रमण से राश्ते को संकरा कर दिया गया है। इस पर नगर आयुक्त ने तत्काल अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए। साथ ही मार्गों पर जहाँ आवश्यक हो, वहाँ पैच मरम्मत कार्य कराने के निर्देश अवर अभियंता अरुण कुमार को दिए गए।

नगर आयुक्त ने उपस्थित सफाई निरीक्षक को निर्देशित किया कि वार्ड में नियमित साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर रखे। उन्होंने कहा कि सफाई निरीक्षक प्रतिदिन प्रातःकालीन भ्रमण कर स्वयं सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करें और किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करें। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद प्रतिनिधि गोवर्धन अवर अभियंता अरुण कुमार एवं सफाई निरीक्षक राकेश राजपूत उपस्थित रहे।

कहासुनी के बाद गांव में दो पक्षों में मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

निठारी गांव में मामूली कहासुनी के बाद दो पक्षों में गाली-गलौज और मारपीट हुई। दोनों पक्षों की ओर से सेक्टर-20 थाने में शिकायत दी गई।

पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। निठारी गांव निवासी नीरज कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि कोमल उसकी दुकान पर आया और उसके साथ गाली गलौज करने लगा। उसने जब इस बात का विरोध किया तो उसने अपने भाई अनिल, दीपक और पिता ओम को बुला लिया। सभी ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। वहीं, दूसरे पक्ष के कमल ने पुलिस को शिकायत दी कि वह अपने घर आ रहा था। इस दौरान नीरज, उसके छोटे भाई निशांत और लक्ष्मी आदि ने उसे रोककर मारपीट की। चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी।

धूमधाम से शुरू हुई टी20 लीग, टूर्नामेंट के बीच में ही भागे आयोजक

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल की सफलता के बाद दुनिया भर में कई क्रिकेट लीग शुरू हुई। पिछले कुछ समय में भारत के राज्यों में भी लीग क्रिकेट हो रही है। इसके साथ ही कई प्राइवेट लीग का भी आयोजन किया जा रहा है। इसमें दुनिया भर के बड़े खिलाड़ी खेलते हैं। ऐसी ही एक लीग की शुरुआत 25 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में हुई थी। इसमें वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल के अलावा कई विदेशी खिलाड़ी खेल रहे थे।

आयोजन बीच टूर्नामेंट में ही भागे

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में इस लीग आयोजन अचानक उस वक्त बंद हो गया। जब लीग के आयोजक 2 नवंबर की रात को सब कुछ छोड़कर भाग गए। इस वजह से करीब 70 विदेशी खिलाड़ी होटल में फंस गए। यह लीग 8 नवंबर तक चलने वाली थी, लेकिन अब श्रीनगर का ऐतिहासिक बख्शी स्टेडियम वीरान पड़ा है। आयोजकों ने होटल, खिलाड़ियों और अंपायरों का भुगतान नहीं किया है, जिससे खिलाड़ियों को घर जाने के लिए होटल प्रबंधन से समझौता करना पड़ा।

कई विदेशी स्टार ले रहे थे हिस्सा

लीग का आगाज 25 अक्टूबर को बड़े धूमधाम से हुआ था। इसमें क्रिस गेल के अलावा न्यूजीलैंड के जेसी राइडर और श्रीलंका के तिसारा परेरा जैसे कई इंटरनेशनल क्रिकेटरों ने हिस्सा लिया था। आयोजकों के भाग जाने के कारण करीब 70 विदेशी खिलाड़ी होटल में फंस गए। होटल के अधिकारी ने बताया कि लगभग 150 कमरे बुक कराए थे। उन्होंने कश्मीरी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्रिस गेल के साथ एक भव्य कार्यक्रम का वादा किया था। लेकिन रविवार सुबह उन्हें पता चला कि आयोजक बकाया चुकाए बिना ही गायब हो गए हैं।

पेरिस मास्टर्सः

यानिक सिनर ने जीता खिताब, फिर से बने दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी

पेरिस, एजेंसी। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर ने पेरिस मास्टर्स का खिताब जीतकर एक बार फिर दुनिया के नंबर-1 पुरुष खिलाड़ी का स्थान हासिल कर लिया है। फाइनल मुकाबले में उन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को सीधे सेटों में 6-4, 7-6 (4) से हराया। चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर ने कार्लोस अल्काराज़ को पछाड़कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में न केवल एक भी सेट नहीं गंवाया, बल्कि फाइनल में एक भी ब्रेक पॉइंट भी नहीं छोड़ा। मैच के बाद सिनर ने कहा, पिछले कुछ महीने शानदार रहे हैं। मैंने एक खिलाड़ी के तौर पर खुद को बेहतर बनाने की कोशिश की है और इस तरह का परिणाम देखकर बहुत खुशी होती है। यह साल मेरे लिए वाकई यादगार रहा।

महिला वर्ल्ड कप : वर्ल्ड चैम्पियन भारतीय टीम पर धनवर्षा

बीसीसीआई ने किया 51 करोड़ देने का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए वनडे वर्ल्ड कप 2025 अपने नाम किया. 2 नवंबर (रविवार) को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में हुए खिताबी मुकाबले में भारत ने साउथ अफ्रीका को 52 रनों से परास्त किया. भारतीय महिला टीम ने पहली बार विश्व कप खिताबी जीता है. वहीं साउथ अफ्रीकी टीम का खिताब जीतने का सपना चकनाचूर हो गया. भारतीय टीम की जीत के बाद इनामों की बारिश हो रही है. भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने खिलाड़ियों और टीम के सपोर्ट स्टाफ के लिए बड़ा ऐलान किया है. बीसीसीआई भारतीय टीम को प्राइज मनी के तौर पर 51 करोड़ रुपये देगा. बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस बात को कन्फर्म किया है.

भारतीय महिला टीम को पहली बार इतनी इनामी राशि मिलने जा रही है. देवजीत सैकिया ने से बातचीत में कहा, '1983 में कपिल देव ने भारत को वर्ल्ड कप जिताकर भारतीय क्रिकेट को नई ऊर्जा और प्रेरणा दी थी. अब हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम ने वही जोश और उत्साह दोबारा जगा दिया है. उन्होंने सिर्फ ट्रॉफी नहीं जीती, बल्कि पूरे देश का दिल जीत लिया है.'

देवजीत सैकिया ने ICC चेयरमैन का जताया आभार

देवजीत सैकिया ने कहा कि यह जीत भारत में महिला क्रिकेट के भविष्य को नई दिशा देगी और अगली पीढ़ी की खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी. उन्होंने आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल) के चेयरमैन और पूर्व बीसीसीआई सचिव जय शाह को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने महिला खिलाड़ियों को लेकर जरूरी कदम उठाए हैं. देवजीत सैकिया ने कहा, 'जय शाह के नेतृत्व में महिला क्रिकेट में बड़े बदलाव आए हैं. वेतन समानता पर भी ध्यान दिया गया. हाल ही में महिला वर्ल्ड कप के लिए इनामी राशि में 300 प्रतिशत की वृद्धि की गई. यह 2.88 मिलियन डॉलर से बढ़ाकर लगभग 14 मिलियन डॉलर कर दी गई. इन कदमों से महिला क्रिकेट को काफी बढ़ावा मिला है. बीसीसीआई ने खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ के लिए 51 करोड़ रुपये के इनाम की भी घोषणा की है.' आईसीसी की तरफ से भी भारतीय टीम को खिताब जीतने पर 4.48 मिलियन डॉलर (लगभग 40 करोड़ रुपये) की इनामी राशि मिली है, जो क्रिकेट इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि है. महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में आईसीसी ने 13.88 मिलियन डॉलर (लगभग 123 करोड़ रुपये) की इनामी राशि बांटी, जो 2022 के संस्करण से लगभग तीन गुना ज्यादा है.

मैंने शुरुआत में ही कहा था

भगवान ने मुझे यहां कुछ अच्छा करने भेजा है: शैफाली वर्मा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए महिला वनडे विश्व कप 2025 फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर इतिहास रच दिया। इस ऐतिहासिक जीत की नायिका बनीं 21 वर्षीय शैफाली वर्मा , जिन्होंने 87 रनों की धमाकेदार पारी खेलने के साथ दो अहम विकेट भी झटके। पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में भावुक शैफाली ने कहा, 'मैंने शुरुआत में ही कहा था कि भगवान ने मुझे यहां कुछ अच्छा करने के लिए भेजा है। आज वही बात सच हुई। यह पल शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। अगर खुद पर भरोसा रखो और शांत रहो, तो कुछ भी मुमकिन है।' शैफाली ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, दोस्तों और टीम के सपोर्ट को दिया। उन्होंने कहा कि फाइनल में उनका एक ही लक्ष्य था–टीम को जीत दिलाना। फाइनल में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तब गेंद शैफाली को थमाई जब लॉरा वूलवार्ट और सून लूस की साझेदारी मजबूत हो रही थी। शैफाली ने दूसरी ही गेंद पर लूस को कैच एंड बॉल्ड आउट कर मैच का रुख पलट दिया। अगले ओवर में उन्होंने मारीज़ाने कैप को भी पवेलियन भेजा और भारत के लिए दबाव तोड़ने वाली गेंदबाज साबित हुई। यह मुकाबला उनके लिए खास इसलिए भी रहा क्योंकि यह सिर्फ उनका छठा वनडे मैच था जिसमें उन्हें गेंदबाजी का मौका मिला। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए शैफाली को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

दीप्ति, शेफाली, क्रांति के घरों में जीत की दिवाली

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में जश्न का माहौल है। कप्तान हरमनप्रीत कौर, दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा और क्रांति के घरों में मानो दिवाली आ गई हो। ढोल-नगाड़ों की थाप पर लोग झूम उठे और जीत का जश्न पटाखों और मिठाइयों से मनाया गया। जैसे ही भारत ने आखिरी विकेट लिया, हरमनप्रीत कौर के शहर मोगा की गलियां ढोल-नगाड़ों से गूंज उठीं। लोग घरों से बाहर निकल आए, किसी ने पटाखे जलाए तो किसी ने मिठाई बांटी। उनके कोच कमलदीश सिंह सोढ़ी ने कहा, सारी जिंदगी की मेहनत सफल हो गई। मैंने जब पहली बार हरमन को खेलते देखा था, तभी समझ गया था कि ये लड़की एक दिन देश का नाम रोशन करेगी। मैच के आखिरी ओवर में जैसे ही दीप्ति शर्मा ने साउथ अफ्रीका का अंतिम विकेट गिराया, लखनऊ में आतिशबाजी शुरू हो गई। आगरा में उनके घर में टीवी के सामने परिवार और मोहल्ले के लोग टकटकी लगाए बैठे थे। जीत के साथ ही दीप्ति की मां भावुक हो उठीं।

चोकर के बाद अनलकी का ठप्पा!

लगातार 4 वर्ल्डकप में फाइनल हार चुका साउथ अफ्रीका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने रविवार को महिला विश्व कप 2025 के खिताबी मैच में साउथ अफ्रीका को 52 रन से रौंदा। पुरुष और महिला क्रिकेट इतिहास में ऐसा लगातार चौथी बार था, जब इस देश ने फाइनल में पहुंचकर खिताब गंवाया। आइए, इन चार मौकों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

क्रिकेट इतिहास में कई दशकों तक साउथ अफ्रीका पर चोकर का ठप्पा लगा रहा। ये वही देश है, जो 22 मार्च 1992 को पुरुष वनडे विश्व कप का सेमीफाइनल मैच अप्रत्याशित तरीके से गंवा बैठा था। इसके बाद से कुछ और भी ऐसे मौके आए, जहां साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद फाइनल का टिकट हासिल नहीं कर सका। आखिरकार, इस ठप्पे को महिला क्रिकेट टीम ने हटाया। साल 2023 में क्रिकेट विश्व कप इतिहास में साउथ अफ्रीका पहली बार फाइनल में पहुंचा। यह महिला टी20 विश्व कप 2023 था, जहां साउथ अफ्रीका के सामने ऑस्ट्रेलिया की चुनौती थी।

26 फरवरी को केपटाउन में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट खोकर 156 रन बनाए, जिसके

जवाब में साउथ अफ्रीका निर्धारित ओवरों में 137/6 का स्कोर ही बना सका। ऑस्ट्रेलिया ने 19 रन से मैच जीता।

अगले ही साल पुरुष क्रिकेट टीम ने भी खुद से चोकर के ठप्पे को हटाया। टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 9 विकेट से मात देकर साउथ अफ्रीका खिताबी मुकाबले में पहुंच गया था। दूसरी ओर, भारतीय टीम इंग्लैंड को 68 रन से शिकस्त देकर फाइनल में पहुंची थी।

29 जून को ब्रिजटाउन में भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें आमने-सामने थीं। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट खोकर 176 रन बनाए। इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 169 रन ही बना सकी। टीम इंडिया ने 7 रन से अपना दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीता।

इसी साल साउथ अफ्रीका की महिला टीम ने भी टी20 विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली थी। 20 अक्टूबर को दुबई के मैदान पर इस बार साउथ अफ्रीकी फैंस को टीम से जीत की उम्मीद थी, लेकिन उसे न्यूजीलैंड के हाथों 32 रन से खिताब गंवाना पड़ा।

ऑस्ट्रेलिया की टीम से ट्रेविस हेड बाहर

नहीं खेलेंगे भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज के आखिरी 2 मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ओपनर ट्रेविस हेड भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं. भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज 8 नवंबर को खत्म होनी है. लेकिन, ट्रेविस हेड का सफर इसमें उससे पहले ही खत्म हो गया है. ट्रेविस हेड के टी-20 सीरीज से अचानक हटने की वजह ऑस्ट्रेलिया की एशेज को लेकर चल रही तैयारी है. एशेज के नाम पर टी-20 सीरीज से बाहर होने वाले हेड तीसरे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं. शेफील्ड शील्ड के अगले राउंड में खेलेंगे

ट्रेविस हेड को एशेज की तैयारियों के मद्देनजर टी-20 सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों से बाहर रखा गया है. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया चाहता है कि एशेज से पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए पहले टेस्ट में खेलने वाले सभी खिलाड़ी शेफील्ड शील्ड के अगले राउंड में खेलते दिखें. हेड से पहले हेजलवुड और शॉन एबट भी एशेज को लेकर टी-20 सीरीज से बाहर हो चुके हैं.

ट्रेविस हेड टी-20 सीरीज से बाहर

ट्रेविस हेड को टी-20 सीरीज के पांचों मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में चुना गया था. लेकिन, अब वो आखिरी दो टी-20 में खेलते नहीं दिखेंगे. सीरीज के पहले तीनों टी-20 में हेड ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे. पहला टी-20 कैनबरा में बारिश के चलते रद्द हो गया था. जबकि मेलबर्न में खेला दूसरा टी-20 ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट से जीता था, जिसमें हेड ने 15 गेंदों में 28 रन बनाए हैं. वहीं तीसरे टी-20 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया, जिसमें हेड के बल्ले से सिर्फ 6 रन आए.

हरियाणा स्टेट ओलम्पिक गेम्स अब से हर साल 2 बार होंगे: कुलदीप शतरंज

पंचकूला, एजेंसी। पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि हरियाणा प्रदेश में अब से प्रत्येक साल में 2 बार हरियाणा प्रदेश ओलम्पिक खेल महोत्सव का आयोजन हरियाणा ओलम्पिक संघ द्वारा किया जाएगा। इससे अधिक से अधिक खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। अगले साल आयोजित होने वाले भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा नेशनल ओलंपिक गेम्स में हरियाणा प्रदेश से 1000 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे

। इसे ध्यान में रखते हुए तैयारी शुरू कर दी गई है। राजनीतिक कारणों से 13 साल तक राज्य ओलंपिक खेलों का आयोजन नहीं हो सका। इस कमी की भरपाई करने का प्रयास हरियाणा ओलंपिक संघ द्वारा किया जाएगा। प्रत्येक साल में दो बार हरियाणा प्रदेश ओलंपिक खेलो के आयोजन से हरियाणा प्रदेश के काफी खिलाड़ियों को आगे आने का मौका मिल सकेगा।

प्रदेश के खिलाड़ियों को दी गई है स्पेशल आईडीः पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि हरियाणा ओलम्पिक संघ द्वारा प्रदेश में 7 हजार से अधिक खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें आईडी कार्ड उपलब्ध कराए जा चुके है। आईडी में स्पेशल कोड है जिसके माध्यम से किसी खिलाड़ी के बारे में सारी जानकारी हासिल की जा सकती है।

खिलाड़ी कब कब किस स्तर पर खेला, वर्तमान में किस स्तर पर खेल रहा है, उसका बल्ड ग्रुप क्या है, वह कहा का रहने वाला है इत्यादि जानकारी स्पेशल कोड से आसानी से पता किया जा सकेगा। हरियाणा प्रदेश खेलो की राजधानी व स्पेशल हब बनता जा रहा है।